हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 61 ● भिलाई, मंगलवार 22 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

लोहगढ़ किले में कारोबारी केतन की हत्या की पहले से थी साजिश

पुणे। पुणे के कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या के मामले में पुलिस की 5,053 पन्नों की आरोपपत्र में कई अहम खुलासे हुए हैं। पुलिस के अनुसार, केतन की हत्या अचानक उठाया गया कदम नहीं थी, बल्कि इसकी पहले से साजिश रची गई थी। आरोपियों ने हत्या के लिए स्थान का चयन करने से लेकर केतन को वहां बुलाने और जांच से बचने तक की योजना बनाई थी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने शुरुआत में केतन को गंभीर रूप से घायल करने की योजना बनाई थी। इसके लिए महाराष्ट्र से बाहर रहने वाले कुछ लोगों से संपर्क भी किया गया था। हालांकि, बाद में आरोपियों को आशंका हुई कि बाहरी व्यक्ति साजिश का खुलासा कर सकता है या उनके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इसके बाद यह योजना रद्द कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, इस दौरान संपर्क किए गए लोगों में से एक बाद में मामले में गवाह बन गया। इसके बाद आरोपियों ने खुद केतन की हत्या करने का फैसला किया। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने हत्या से संबंधित फिल्मों और इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री के जरिए तरीके तलाशे।

माओवादी कमांडर बृजेश गंझू पुलिस मुठभेड़ में ढेर

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में रविवार सुबह पुलिस और सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली। रामनगर थाना क्षेत्र के टेंगरा मोड़ के पास हुई पुलिस मुठभेड़ में झारखंड के प्रतिबंधित संगठन तृतीय प्रस्तुति कमेटी (टीपीसी) के प्रमुख और 30 लाख रुपये के इनामी माओवादी कमांडर बृजेश गंझू उर्फ गोपाल सिंह को मार गिराया गया। मुठभेड़ के दौरान आतंकवादी गतिविधियों के लिए वांछित कमांडर की गोलीबारी में एटीएस के उपाधीक्षक विपिन राय भी घायल हुए हैं। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, बृजेश गंझू झारखंड के चतरा जिले के लावालौंग थाना क्षेत्र के लूतू गांव का रहने वाला था। उसकी आपराधिक एवं राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को देखते हुए उस पर 30 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। झारखंड सरकार ने उस पर 25 लाख रुपये और राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने विभिन्न मामलों में वांछित होने के कारण पांच लाख रुपये का अतिरिक्त इनाम घोषित किया था।

गुरुग्राम में अडानी रियल्टी मैनेजर हत्याकांड में ठगी के मामलों का खुलासा

गुरुग्राम। अडानी रियल्टी के 31 वर्षीय प्रबंधक युवराज सिंह मनचंदा की हत्या की जांच आगे बढ़ने के साथ ही मामले में आरोपियों से जुड़े कथित ठगी के कई मामलों का खुलासा हो रहा है। पुलिस को जांच के दौरान एक व्हाट्सऐप संदेश मिला है, जिसमें कथित तौर पर लिखा गया था, "अपनी पत्नी को बेच दो या कुछ भी करो, लेकिन यह पैसा चुका दो।" इस संदेश के सामने आने के बाद आरोपी अन्या वत्स और उसके साथी संयम सचदेवा से जुड़े कथित आर्थिक धोखाधड़ी के मामलों की भी जांच तेज हो गई है।

दशहरे से पहले कारोबारियों को बड़ा गिफ्ट

बिना टैक्स दिए न्यूजीलैंड में बिकेंगे भारतीय माल-डील फाइनल

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता 20 अक्टूबर से लागू हो जाएगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को यह जानकारी दी। बता दें कि दोनों देशों ने 27 अप्रैल को इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसका मकसद दोनों देशों के बीच सामान और सेवाओं का व्यापार बढ़ाना तथा निवेश को बढ़ावा देना है। इस समझौते के तहत भारत से न्यूजीलैंड जाने वाले 100 प्रतिशत सामान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा। अभी न्यूजीलैंड सिरेमिक, कालीन, गाड़ियों और उनके पुर्जों जैसे कई भारतीय सामानों पर 10 प्रतिशत तक शुल्क लगाता है। न्यूजीलैंड ने अगले 15 साल में भारत में 20 अरब डॉलर निवेश करने का वादा भी किया है। वहीं, न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने सोमवार को कहा कि समझौता अंतिम रूप ले चुका है। सितंबर में संसद की मंजूरी के बाद यह अक्टूबर में लागू होगा। सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि करीब तीन साल पहले उन्होंने वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी चुनी गई तो पहले कार्यकाल में ही भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौता करेगी। आज वह समझौता पूरा हो गया है और अगले महीने लागू होगा। लक्सन ने आगे कहा कि इससे निर्यातकों को ज्यादा अवसर मिलेंगे, व्यापार बढ़ेगा तथा न्यूजीलैंड में अधिक नौकरियां और आमदनी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि

यह समझौता भारत के 1.4 अरब उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने में मदद करेगा और न्यूजीलैंड के ज्यादा उत्पाद भारत में बिक सकेंगे। न्यूजीलैंड की संसद ने 16 सितंबर को इस समझौते को मंजूरी दी। सांसदों ने 93 के मुकाबले 29 वोट से कानून पारित किया। सत्ताधारी नेशनल पार्टी और मुख्य विपक्षी लेबर पार्टी दोनों ने समर्थन दिया, जिससे स्पष्ट बहुमत मिला। मंजूरी का स्वागत करते हुए लक्सन ने कहा कि लोगों का मानना था कि भारत के साथ ऐसा समझौता संभव नहीं है, लेकिन अब वह हो रहा है। इससे भारत के बड़े बाजार तक पहुंच बढ़ेगी और न्यूजीलैंड की आर्थिक वृद्धि को सहारा मिलेगा। समझौते के तहत न्यूजीलैंड सभी टैरिफलाइनों को कवर करते हुए भारत के 100 प्रतिशत निर्यात को शुल्क-मुक्त पहुंच देगा। इससे भारत के श्रम प्रधान क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और रोजगार के नए अवसर बनेंगे। इनमें कपड़ा और परिधान, चमड़ा और जूते, रत्न और आभूषण, इंजीनियरिंग सामान तथा प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद शामिल हैं। न्यूजीलैंड से भारत आने वाले निर्यात के मामले में 70.03 प्रतिशत टैरिफलाइनों पर बाजार पहुंच दी गई है। यह द्विपक्षीय व्यापार के लगभग 95 प्रतिशत हिस्से को कवर करता है।

भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए वीजा सुविधा.....

यह समझौता भारतीयों की आवाजाही के नए रास्ते भी खोलता है। एक अस्थायी रोजगार प्रवेश वीजा व्यवस्था के तहत 5,000 कुशल भारतीयों को कोटा मिलेगा। वे तीन साल तक न्यूजीलैंड में रह और काम कर सकेंगे। इसमें आयुष चिकित्सक, योग शिक्षक, भारतीय शेफऔर संगीत शिक्षक शामिल हैं। आईटी, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और निर्माण क्षेत्र के पेशेवर भी इसमें आते हैं। वर्किंग हॉलिडे वीजा व्यवस्था के तहत हर साल 1000 युवा भारतीय 12 महीने तक न्यूजीलैंड जा सकेंगे। छात्रों के आने-जाने और पढ़ाई के बाद काम करने के नियम भी तय किए गए हैं। पात्र भारतीय छात्र पढ़ाई के दौरान हफ्ते में 20 घंटे तक काम कर सकेंगे। योग्यता के आधार पर उन्हें पढ़ाई पूरी होने के बाद लंबा वर्क वीजा मिल सकेगा।

कनाडा में ट्रेनिंग के दौरान विमान क्रैश

हादसे में दो भारतीय छात्रों की मौत हो गई

कनाडा में फ्लाइट ट्रेनिंग के दौरान हुए विमान हादसे में दो भारतीय छात्रों की मौत हो गई। दोनों छात्र कमर्शियल पायलट और एविएशन ट्रेनिंग के तहत उड़ान का अभ्यास कर रहे थे। इसी दौरान विमान हादसे का शिकार हो गया। घटना की पुष्टि कनाडा के वैंकूवर स्थित भारत के महावाणिज्य दूतावास ने की है। हादसे की जानकारी सामने आने के बाद दूतावास ने दोनों छात्रों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।प्रवासी नेटवर्क जुड़ें हादसे में जान गंवाने वाले भारतीय छात्रों की पहचान तमिलनाडु के मनोज शिवकुमार

और पुडुचेरी के श्रीसरन तिरुग्नानसंबंधम के रूप में हुई है। वैंकूवर स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर पोस्ट कर दोनों छात्रों की मौत पर दुख जताया।

मृतकों में चार लड़के और दो लड़कियां शामिल

भागलपुर में बाढ़ के पानी ने ली 6 बच्चों की जान,नहाने के दौरान हुआ दर्दनाक हादसा.....

बिहार के भागलपुर जिले से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां बाढ़ के पानी में डूबने से छह बच्चों की मौत हो गई। हादसा सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में उस समय हुआ, जब बच्चे सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे में जमा पानी में नहाने गए थे। गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण सभी बच्चे डूब गए। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोगों ने राहत अभियान चलाया, लेकिन छहों बच्चों को नहीं बचाया जा सका। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के बाद गांव और आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, सभी बच्चे सड़क के किनारे बने एक गड्ढे में जमा बाढ़ के पानी में स्नान करने के लिए गए थे। बच्चों को गड्ढे की गहराई का अंदाजा नहीं था। स्नान करने के दौरान वे अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। आसपास मौजूद लोगों को जब घटना की जानकारी मिली, तो उन्होंने बच्चों को बचाने का प्रयास शुरू किया। बाद में पुलिस को भी सूचना दी गई। हादसे की सूचना

मिलते ही सुल्तानगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से बच्चों की तलाश शुरू की। पुलिस ने सभी छह बच्चों के शव बरामद कर लिए हैं। शवों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के लिए भेजा गया है। पुलिस के अनुसार, मृतकों में पांच बच्चे सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर 27 के रहने वाले थे, जबकि एक बच्चा सबौर थाना क्षेत्र का रहने वाला था। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सुल्तानगंज के थाना प्रभारी धनंजय कुमार ने बताया कि सड़क किनारे बने गड्ढे में बाढ़ का पानी जमा था। बच्चे उसमें स्नान करने गए थे और गहराई का अंदाजा नहीं होने के कारण हादसे का शिकार हो गए। मृतकों में चार लड़के और दो लड़कियां शामिल हैं। पुलिस ने सभी शव बरामद कर लिए हैं और मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

वोटर लिस्ट विवाद में सोनिया गांधी को झटका

दिल्ली की सेशन कोर्ट ने निचली अदालत का आदेश रद्द किया...

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के मतदाता सूची में नाम शामिल होने से जुड़े मामले में मजिस्ट्रेट का पुराना आदेश रद्द कर दिया है। इस मामले में आरोप लगाया गया था कि सोनिया गांधी का नाम 1983 में भारतीय नागरिकता मिलने से करीब तीन साल पहले ही वोटर लिस्ट में दर्ज कर दिया गया था। इसे लेकर वकील विकास त्रिपाठी ने शिकायत दर्ज कर जांच की मांग की थी। मजिस्ट्रेट ने 11 सितंबर 2025 को इस शिकायत पर जांच से इनकार कर दिया था। इसके खिलाफत्रिपाठी

ने अदालत में याचिका दायर की थी। स्पेशल जज विशाल गोगने ने मजिस्ट्रेट के आदेश को सही प्रक्रिया के तहत नहीं दिया गया आदेश बताया। अदालत ने कहा कि मजिस्ट्रेट को पहले पुलिस अधिकारी की बात सुननी चाहिए थी और संबंधित थाने से मामले की स्थिति की रिपोर्ट भी मांगनी चाहिए थी। अदालत के मुताबिक, ऐसा नहीं किया गया। साथ ही मजिस्ट्रेट ने यह भी साफ नहीं किया कि शिकायत मिलने के बाद पुलिस को प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया जाना चाहिए था या मामले में कानून के तहत कोई दूसरी कार्रवाई की जानी चाहिए थी। अदालत ने कहा कि मजिस्ट्रेट ने शिकायत में किसी संज्ञेय अपराध के होने या न होने के मूल सवाल पर विचार नहीं किया। इसके बजाय, नागरिकता के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित कर दिया गया। न्यायाधीश ने कहा कि जांच के स्तर पर मुख्य सवाल यह होना चाहिए था कि शिकायत में ऐसे तथ्य सामने आते हैं या नहीं।

काकीनाडा से महाराष्ट्र पहुंची लकड़ी की लुगदी की पहली रेल खेप

काकीनाडा। भारतीय रेलवे ने माल परिवहन के क्षेत्र में एक नई पहल करते हुए काकीनाडा बंदरगाह से महाराष्ट्र के भिगवान तक पहली बार लकड़ी की लुगदी की खेप रेल मार्ग से पहुंचाई है। अब तक करीब 15 वर्षों से महाराष्ट्र के कागज उद्योगों तक लकड़ी की लुगदी सड़क मार्ग से भेजी जा रही थी। रेल परिवहन शुरू होने से उद्योगों को एक वैकल्पिक और अधिक सुविधाजनक परिवहन माध्यम उपलब्ध हुआ है। दक्षिण तट रेलवे के अधिकारियों के अनुसार, काकीनाडा से महाराष्ट्र तक लकड़ी की लुगदी को सड़क मार्ग से करीब 1,061 किलोमीटर की दूरी तय करके पहुंचाया जाता था। रेलवे ने इस माल परिवहन को रेल मार्ग पर स्थानांतरित करने की संभावनाओं को देखते हुए हाल में कागज उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की थी।

छात्र मौत मामला

संस्थान ने मांगी माफी प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला सस्पेंड हुए...

नई दिल्ली/एजेंसी

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे में द्वितीय वर्ष के 19 वर्षीय छात्र साहिल वाकोडे की मौत के मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। संस्थान ने साहिल की मौत से जुड़े घटनाक्रम पर पहले दिए गए अपने बयान के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है। इसके साथ ही, विवादों में घिरे डीन ऑफ स्टूडेंट अफेयर्स, प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। आईआईटी बॉम्बे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर आधिकारिक पोस्ट साझा करते

हुए कहा कि घटना से पहले के हालात की जांच फिलहाल संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा की जा रही है। संस्थान ने अपनी पोस्ट में लिखा, साहिल की दुर्भाग्यपूर्ण मौत से जुड़ी परिस्थितियों के बारे में हमारे पिछले संदेश में कही गई बातों के लिए हम माफी मांगते हैं। इस घटना से जुड़ी जानकारी और हालात की जांच अभी संबंधित अधिकारियों द्वारा की जानी बाकी है। चल रही जांच को देखते हुए, उनकी मौत से पहले हुई घटनाओं के बारे में जानकारी देना या उनके बारे में कोई राय बनाना सही नहीं था, क्योंकि अभी तक जांच की सही प्रक्रिया से ये बातें पूरी तरह साबित नहीं हुई थीं। आईआईटी बॉम्बे के निदेशक शिरीष बी. केदारे ने स्पष्ट किया कि छात्र मामलों के डीन, प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। और आगे की वैधानिक कार्रवाई निष्पक्ष जांच के बाद की जाएगी।

हिमांशु और रुद्राक्ष का दमदार प्रदर्शन

निशानेबाजी में हिमांशु को सिल्वर और रुद्राक्ष ने जीता ब्रॉन्ज

नई दिल्ली/ एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 में भारत के निशानेबाजों का जलवा लगातार जारी है। सोमवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में भारतीय शूटर्स ने अपनी बेहतरीन फॉर्म का प्रदर्शन करते हुए देश की झोली में दो और नए पदक डाल दिए। युवा निशानेबाज हिमांशु ढिल्लों ने शानदार अचूक निशाना साधते हुए सिल्वर मेडल अपने नाम किया, जबकि पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल ने देश के लिए ब्रॉन्ज मेडल जीता। इन दोनों पदकों के साथ ही मौजूदा महामुकाबले में भारत के कुल शूटिंग पदकों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। खास बात यह है कि इस व्यक्तिगत सफलता से महज कुछ ही घंटे पहले इसी तिकड़ी ने टीम इवेंट में भी सिल्वर मेडल जीता था। मुकाबले के दौरान दोनों ही भारतीय खिलाड़ियों ने कड़ा मुकाबला पेश किया। स्टेज 2 की सीरीज 7 पूरी होने के बाद हिमांशु ढिल्लों ने कुल 252.4 अंक हासिल किए और दूसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, चीन के लिहाओ शेंग ने 254.2 का शानदार स्कोर बनाते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया, जो कि एक नया एशियाई रिकॉर्ड भी है। इसके अलावा, पूर्व विश्व चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल ने स्टेज 2 की छठी सीरीज के अंत तक 230.9 अंक जुटाए और तीसरे स्थान पर रहकर ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। फाइनल मैच की शुरुआत बेहद रोमांचक रही। शुरुआती दौर में रुद्राक्ष पाटिल ने बेहद मजबूत शुरुआत की और चीन के लिहाओ शेंग के साथ उनकी कड़ी टक्कर देखने को मिली। उन्होंने अपनी दूसरी

सीरीज का अंत 106.0 के शानदार एग्रीगेट स्कोर के साथ किया, जबकि लिहाओ 104.9 और हिमांशु 104.8 अंकों पर थे। हालांकि, स्टेज 2 की छठी सीरीज में रुद्राक्ष का निशाना थोड़ा चूका और वह 9.7 अंक ही जुटा सके। इसी मौके का फायदा उठाते हुए हिमांशु ढिल्लों ने 10.6 का बेहतरीन शॉट लगाकर बढ़त हासिल कर ली और दूसरा स्थान अपने नाम किया। यह शानदार सफलता उस टीम सिल्वर मेडल के ठीक बाद मिली है, जो कुछ ही समय पहले पार्थ माने के साथ मिलकर हिमांशु और रुद्राक्ष ने 10 मीटर एयर राइफल टीम फाइनल में हासिल किया था। इससे एक दिन पहले भी महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में इलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदर्शा विनोद ने सिल्वर मेडल जीता था, जिसके तुरंत बाद इलावेनिल ने व्यक्तिगत स्पर्धा में एक और सिल्वर मेडल देश की झोली में डाला था। भारतीय निशानेबाजों का यह बेहतरीन प्रदर्शन लगातार जारी है।

महिला हॉकी टीम की बड़ी जीत

भारतीय महिला हॉकी टीम ने पूल बी में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत ने इंडोनेशिया को 17-1 से करारी शिकस्त दी। ड्रैग फ्लिकर दीपिका, फॉरवर्ड रुतुजा पिसाल और नवनीत कौर ने हैट्रिक लगाकर भारत की बड़ी जीत में अहम योगदान दिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जताई खुशी

जींद के इस होनहार खिलाड़ी की ऐतिहासिक दोहरी सफलता पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने उन्हें विशेष रूप से बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने हिमांशु की सराहना कर कहा कि जींद के अतेवा गांव के इस बेटे ने अपनी असाधारण उपलब्धि से पूरे देश और प्रदेश का नाम दुनिया में रोशन किया है। हिमांशु की यह दोहरी जीत भारतीय खेल इतिहास के लिए एक अत्यंत गर्व का क्षण है और इससे देश के लाखों युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। फिलहाल, हिमांशु की इस ऐतिहासिक जीत के बाद उनके पैतृक गांव अतेवा समेत पूरे जींद जिले में मिठाइयां बांटी जा रही हैं और परिजन व खेल प्रेमी एक-दूसरे को बधाई दे रहे हैं।

मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन के बीच अब सेवा संकल्प अभियान से जगी उम्मीद, खिलाड़ियों को स्टेडियम खुलने का इंतजार

रानीतराई स्टेडियम बदहाल, रखरखाव के अभाव में सुविधाएं हो रहीं खराब

रानीतराई, पाटन। पाटन विधानसभा क्षेत्र के दक्षिण पाटन स्थित ग्राम रानीतराई में खिलाड़ियों के लिए लाखों रुपये की लागत से निर्मित स्टेडियम इन दिनों रखरखाव के अभाव में बदहाली की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। स्टेडियम परिसर में जगह-जगह घास-फूस उग आई है, वहीं खिलाड़ियों के लिए उपलब्ध कराई गई आधुनिक सुविधाएं भी धीरे-धीरे खराब होने की स्थिति में पहुंच रही हैं। क्षेत्र के खेल प्रेमियों और युवाओं ने स्टेडियम की नियमित साफ-सफाई एवं रखरखाव कराकर इसे खिलाड़ियों के लिए उपयोगी बनाने की मांग की है। बताया जाता है कि पाटन विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रानीतराई में तत्कालीन मुख्यमंत्री एवं पाटन विधायक भूपेश बघेल के कार्यकाल में खिलाड़ियों के लिए स्टेडियम का निर्माण कराया गया था। सत्ता परिवर्तन के बाद विभागीय स्तर पर इसका लोकार्पण दुर्ग सांसद

विजय बघेल के मुख्य आतिथ्य में तत्कालीन ग्राम पंचायत रानीतराई के सरपंच निर्मल जैन की अगुवाई में कराया गया था। लोकार्पण के बाद क्षेत्रवासियों और खिलाड़ियों को उम्मीद थी कि स्टेडियम नियमित रूप से खिलाड़ियों के उपयोग में आएगा, लेकिन वर्तमान में रखरखाव के अभाव में इसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। स्टेडियम परिसर में उगी घास-फूस और साफ-सफाई के अभाव के साथ ही वहां लगी लाइटें, कूलर, पंखे एवं एसी सहित अन्य सुविधाएं भी खराब होने की स्थिति में बताई जा रही हैं। खेल प्रेमियों का कहना है कि समय रहते इन सुविधाओं का रखरखाव नहीं किया गया तो करोडो रुपये की लागत से तैयार की गई खेल सुविधाएं अनुपयोगी हो सकती हैं।

स्टेडियम नहीं खुलने से युवा वैकल्पिक जगहों पर कर रहे अभ्यास

रानीतराई सहित आसपास के गांवों के कई युवा सेना भर्ती एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की शारीरिक तैयारी के लिए नियमित अभ्यास करते हैं। स्टेडियम उपलब्ध होने के बावजूद उसके उपयोग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण युवाओं को वैकल्पिक स्थानों पर अभ्यास करना पड़ रहा है। खिलाड़ियों का कहना है कि यदि स्टेडियम की साफ-सफाई, मरम्मत और आवश्यक सुविधाओं का नियमित रखरखाव हो तथा इसे खिलाड़ियों के लिए खोला जाए तो युवाओं को अभ्यास के लिए बेहतर स्थान मिल सकता है।

अब सेवा संकल्प अभियान से जगी उम्मीद

क्षेत्र में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के बीच रानीतराई स्टेडियम को लेकर भी लोगों में उम्मीद जगी है। हालांकि अब आने वाला समय ही बताएगा कि स्टेडियम की साफ-सफाई एवं रखरखाव को लेकर संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन द्वारा क्या कदम उठाए जाते हैं तथा खिलाड़ियों के लिए स्टेडियम को नियमित रूप से खोला जाता है या नहीं। क्षेत्र के खेल प्रेमियों और युवाओं ने संबंधित विभाग से स्टेडियम का निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत, साफ-सफाई एवं रखरखाव कराने तथा खिलाड़ियों को इसका नियमित लाभ दिलाने की मांग की है।

राधा अष्टमी पर जन समर्पण सेवा संस्था ने स्कूली बच्चों को बांटी जरूरत की सामग्री व कराया भोजन प्रसादी का वितरण

दुर्ग। स्थानीय शासकीय प्राथमिक शाला, नयापारा (दुर्ग) में आज श्री राधा अष्टमी के पावन अवसर पर एक विशेष सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जन समर्पण सेवा संस्था दुर्ग और श्री राधे जी के भक्तों के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में स्कूली बच्चों को जरूरत की सामग्रियां बांटी गई और उन्हें स्नेहपूर्वक भोजन प्रसादी ग्रहण कराई गई।संस्था के बंटी शर्मा ने बताया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी राधा अष्टमी के शुभ अवसर पर बच्चों के बीच सेवा का संकल्प लिया गया था।

शनिवार सुबह 10 बजे से शुरू हुए इस गरिमामयी आयोजन में स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और दैनिक उपयोग से जुड़ी आवश्यक सामग्रियां वितरित की गई। बच्चों के चेहरों पर सामग्री पाकर भारी उत्सुकता और खुशी देखी गई। इसके पश्चात सभी बच्चों को आदरपूर्वक भोजन प्रसादी परोसी गई। इस अवसर पर संस्था के

पदाधिकारियों ने कहा कि निस्वार्थ भाव से बच्चों और जरूरतमंदों की सेवा करना ही ईश्वर की सच्ची भक्ति है। इस सेवा कार्य में जन समर्पण सेवा संस्था के सदस्यों, श्री राधे जी के भक्तों सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं और स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई और बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

नेत्रहीन बच्चों एवं वृद्धजनों के साथ मनाया प्रधानमंत्री मोदीजी का जन्मदिन

सेवा, स्नेह और संवेदना के साथ मनाया गया जन्मदिवस समारोह

भिलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ के प्रदेश सह-संयोजक डॉ. प्रदीप चौधरी के नेतृत्व में सेवा एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित कर जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर नयनदीप स्कूल, सिक्कि सेंटर में नेत्रहीन बच्चों के बीच पहुंचकर उनके साथ आत्मीयता से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन मनाया गया। बच्चों के साथ गीत गाए गए तथा मिठाई एवं नाश्ता साथ बैठकर ग्रहण किया गया। बच्चों के बीच खुशी के इन पलों ने कार्यक्रम को विशेष और भावनात्मक बना दिया। इसके पश्चात आस्था वृद्धाश्रम, सेक्टर-8 पहुंचकर बुजुर्गों के साथ भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का

जन्मदिन मनाया गया। उपस्थित बुजुर्गों से मोदी जी के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं स्वस्थ और मंगलमय जीवन के लिए आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं मांगी गईं। कार्यक्रम में डॉ. ज्योत्सना मिश्रा जिला सह-संयोजक भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ, विशाल दीप नायर प्रदेश सह-प्रमुख नीति अनुसंधान भाजपा युवा मोर्चा,आर. रूपेश,सीमा तिवारी जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा, रोहित सिंह, पूर्व मंडल महामंत्री,तारीक खान जिला उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा, हरिशंकर यादव, मोहित सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन को केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और समाज के वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों के साथ खुशियां साझा करने के संकल्प के रूप में मनाना रहा।

वार्ड 19 पदुमनगर में बना 'अभिनंदन चौक', रहवासियों की वर्षों पुरानी परेशानी का हुआ समाधान

पार्षद मनीष वर्मा ने श्रीफल तोड़कर स्वीकार किया मोहल्लेवासियों का आवेदन, स्ट्रीट लाइट के बाद अब सीसी रोड निर्माण की पहल

भिलाई-चरोदा। नगर निगम भिलाई-चरोदा के वार्ड क्रमांक 19 पदुमनगर में स्थानीय रहवासियों की सुविधा और क्षेत्र की पहचान को लेकर महत्वपूर्ण पहल की गई है। श्रीराम सिटी के पीछे मैत्री चौक से आगे शराब भट्ठी तक विकसित हो चुके क्षेत्र को अब 'अभिनंदन चौक' के नाम से जाना जाएगा। इस क्षेत्र में वर्तमान में करीब 80 से 100 मकान बन चुके हैं। स्थानीय रहवासियों के मुताबिक क्षेत्र का स्पष्ट नाम और पहचान नहीं होने के कारण उन्हें लंबे समय से अपना पता बताने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। गैस एजेंसी के कर्मचारियों को घर तक सिलेंडर पहुंचाने, पोस्टमैन को पत्र एवं डाक पहुंचाने सहित अन्य जरूरी सेवाओं में भी दिक्कत होती थी। इसी समस्या को देखते हुए क्षेत्र के मोहल्लेवासियों ने पार्षद मनीष वर्मा को आवेदन सौंपकर

इस क्षेत्र को पदुमनगर के अंतर्गत 'अभिनंदन चौक' के नाम से पहचान देने का आग्रह किया। मोहल्लेवासियों के आग्रह पर पार्षद मनीष वर्मा ने श्रीफल तोड़कर आवेदन स्वीकार किया और क्षेत्र की नई पहचान के लिए पहल करने की बात कही। रहवासियों का कहना है कि चौक का नाम निर्धारित होने से अब उन्हें अपना पता बताने में सुविधा होगी तथा डाक, गैस सिलेंडर और अन्य आवश्यक सेवाओं की डिलीवरी में भी परेशानी कम होगी। स्ट्रीट लाइट से रोशन हुआ क्षेत्र, बाकी खंभों पर भी जल्द होगी व्यवस्था पार्षद मनीष वर्मा के प्रयास से क्षेत्र में पार्षद निधि की राशि से स्ट्रीट लाइट भी लगाई गई हैं।

जिन स्थानों पर अभी स्ट्रीट लाइट नहीं लगी है, वहां बचे हुए खंभों पर भी जल्द लाइट लगाने की बात कही गई है। स्ट्रीट लाइट की सुविधा मिलने से क्षेत्र के रहवासियों को रात के समय आवागमन में राहत मिलने की उम्मीद है। इस पहल के लिए मोहल्लेवासियों ने पार्षद मनीष वर्मा के प्रति आभार व्यक्त किया। क्षेत्र में सड़क की समस्या को लेकर भी पार्षद मनीष वर्मा ने पहल शुरू की है। उन्होंने नगर निगम भिलाई-चरोदा की सामान्य सभा में श्रीराम सिटी के पीछे सीसी रोड निर्माण का प्रस्ताव रखा था। इसके साथ ही श्रीराम सिटी के पीछे स्थित अन्य मार्गों के निर्माण को लेकर भी नगर निगम आयुक्त को प्रस्ताव देकर जल्द सड़क निर्माण की मांग की गई है। नगर निगम भिलाई-चरोदा के कमिश्नर डीएस राजपूत ने प्रस्ताव को जल्द शामिल कर क्षेत्र में सड़क निर्माण की दिशा में कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इससे क्षेत्र के रहवासियों को आने वाले समय में बेहतर सड़क सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है। अभिनंदन चौक नामकरण की पहल, स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था और सीसी रोड निर्माण के प्रस्ताव को लेकर क्षेत्र के लोगों में उत्साह देखा गया। रहवासियों ने कहा कि क्षेत्र में लगातार मकानों की संख्या बढ़ रही है, ऐसे में स्पष्ट पहचान और बुनियादी सुविधाएं बेहद जरूरी हैं। उन्होंने पार्षद मनीष वर्मा द्वारा किए जा रहे प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बेबी सिंह, जी. आराध्या, एन. स्वाति, जी. स्वाति, डी. लक्ष्मी, मंजू नेताम, सावित्री पाल, तेजस्वी साहू, पुष्पा सिंह, संजय वराडे, महावती मराडे, शर्फू निशा बेगम, डी. दामोदर राव, सतीश कुमार सिंह, हुलार सिंह नेताम, माया तिवारी, पंकज तिवारी, हेमा, डी. गोविंदराव, निशा देवांगन, छोटा साहू, डी. भारती, डी. रमा, सत्येंद्र कुमार सिंह, कुणाल सिंह, डी. बैरागी एवं भरत साहू सहित बड़ी संख्या में मोहल्लेवासी उपस्थित रहे।

भिलाई श्रमिक सभा एचएमएस ने मुख्य महाप्रबंधक एच आर से सौजन्य भेंट कर अपनी मांगो से अवगत कराया

भिलाई। भिलाई श्रमिक सभा यूनियन द्वारा भिलाई श्रमिक सभा के अध्यक्ष एच. एस. मिश्रा के निर्देश पर महासचिव डी के सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल मुख्य महाप्रबंधक एच आर प्रशांत ओझा से सौजन्य भेंट कर भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मचारियों के विभिन्न बहुप्रतीक्षित लंबित मांगों के निवारण के लिए सेल अध्यक्ष अशोक कुमार पंडा के नाम भिलाई श्रमिक सभा का बहुप्रतीक्षित लंबित मांग पत्र सौंपा जो इस प्रकार है। पिछले वेतन समझौता के अनुसार 39 माह के बकाए एरियर्स की राशि प्रदान की जाय साथ ही अन्य लंबित मुद्दों का निराकरण किया जाए। नए वेतन समझौता हेतु जल्दी कमेटी गठित कर सम्मानजनक वेतन समझौता समय पर पूर्ण किया जाय। मंथली इंसेंटिव स्कीम में बदलाव कर सम्मानजनक वृद्धि किया जाए। सेल के सभी संयंत्र में अधिकारियों के साथ ही कर्मचारियों की तकनीशियन एवं अटेंडेंट पदों पर भर्ती की जाए। जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र को

निजी हाथों में जाने से रोका जाए पैरामेडिकल स्टाफ एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती की जाए। बोनस (एक्सग्रेसिया) के नियमों में बदलाव कर सम्मानजनक बोनस (एक्सग्रेसिया) दिया जाए जो कम से कम एक माह के (बेसिक +डी ए)के बराबर हो। टाउन शिप के सभी जर्जर आवासों को गिराकर कर्मचारियों के लिए नया थ्री बी एच के आवास बना कर दिया जाए जिसमें वह अपने माता पिता एवं परिवार के साथ रह सके। टाउन शिप में अधिकारियों के भिलाई क्लब एवं स्टील क्लब के तर्ज पर कर्मचारियों के लिए कम से कम दो क्लब का पुनर्निर्माण कर विकसित किया जाए।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के मेडिक्लेम की राशि प्रबंधन द्वारा भुगतान किया जाए एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के इलाज में किसी तरह कोई भेद भाव न किया जाए। रिटेंशन स्कीम पुनः प्रारंभ किया जाए एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए लाइसेंस स्कीम प्रारंभ किया जाए। सेल के सभी ठेका श्रमिकों के लिए केंद्रीय वेतनमान जल्द लागू किया जाए एवं उन्हें सुनियोजित सुरक्षा प्रशिक्षण देकर सभी आवश्यक सुरक्षा उपकरण प्रदान करवाया जाए। प्रतिनिधि मंडल ने ठेका श्रमिकों के साथ हो रहे शोषण पर भी मुख्य महाप्रबंधक महोदय को ध्यान देने का आग्रह किया जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र में नए विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती सहित जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र को निजी हाथों में न जाने देने का आग्रह कर उसके कर्मचारियों एवं अधिकारियों पर पढ़ने वाले दुष्प्रभाव पर विस्तृत चर्चा हुई महासचिव डी के सिंह ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हमारी सभी मांग जायज और काफी पुरानी है और इन सभी पर अतिशीघ्र कार्यवाही करें ताकि कर्मचारियों के बीच एक स्वस्थ माहौल कायम हो जिसका फायदा निश्चित रूप से सेल प्रबंधन को ही मिलेगा मुख्य महाप्रबंधक प्रशांत ओझा ने सभी मांगो को ध्यान पूर्वक सुन कर अपनी सहमति देते हुए कहा कि लगभग सभी मांगों से हम वाकिफ हैं इनमें से कुछ पर काम चल रहा है यथासंभव सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

भूपेश बघेल पर कथित आपत्तिजनक फेसबुक पोस्ट से सियासी बवाल, कांग्रेस ने थाने में खोला मोर्चा

पुरानी भिलाई थाने में पहुंचा कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल, फेसबुक पोस्ट की जांच और प्रोफाइल संचालक पर कानूनी कार्रवाई की मांग

भिलाई-चरोदा। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव भूपेश बघेल को लेकर सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक और अशोभनीय टिप्पणी किए जाने का मामला अब तूल पकड़ता नजर आ रहा है। मामले को लेकर कांग्रेस ने पुलिस का दरवाजा खटखटाते हुए फेसबुक पोस्ट की जांच, डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित करने और संबंधित प्रोफाइल संचालक की पहचान कर उसके खिलाफ नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। 19 सितंबर 2026 को इस संबंध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी भिलाई-चरोदा के अध्यक्ष श्रीकांत वर्मा के नेतृत्व में कांग्रेस पदाधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने पुरानी भिलाई थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपी। शिकायत के दौरान महापौर निर्मल कोसरे, सभापति कृष्णा चंद्राकर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे।

शिकायत में बताया गया है कि 'Nitish Mandal' नाम की फेसबुक प्रोफाइल पर आरोप कांग्रेस की शिकायत के अनुसार "Nitish Mandal" नाम से

संचालित फेसबुक प्रोफाइल से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नाम का उल्लेख करते हुए कथित तौर पर आपत्तिजनक, अशोभनीय एवं अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कर पोस्ट प्रसारित की गई। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सोशल मीडिया सार्वजनिक संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन किसी व्यक्ति के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल कर सामग्री प्रसारित किए जाने की स्थिति में उसकी सत्यता और स्रोत की जांच बेहद जरूरी है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि यदि पोस्ट जानबूझकर अपमानजनक या कानून का उल्लंघन करने वाली पाई जाती है, तो उसके जिम्मेदार व्यक्ति के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। फेसबुक पोस्ट के डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित करने की मांग-कांग्रेस ने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच करने की मांग करते हुए संबंधित फेसबुक पोस्ट की RL, पोस्ट की तारीख और समय, कमेंट, शेयर एवं अन्य उपलब्ध डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित करने का आग्रह किया है। इसके साथ ही शिकायत में संबंधित फेसबुक प्रोफाइल का संचालन करने वाले व्यक्ति की वास्तविक पहचान सामने लाने और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई है। महापौर निर्मल कोसरे का रुख–सोशल मीडिया पर मर्यादा जरूरी-महापौर निर्मल कोसरे की ओर से मामले को लेकर शिकायत के अनुरूप यह रुख सामने आया कि सोशल मीडिया पर राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हो सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन से जुड़े व्यक्तियों के संबंध में भाषा की मर्यादा बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने पुलिस से शिकायत में उल्लेखित पोस्ट की निष्पक्ष जांच कर तथ्यों के आधार पर कार्रवाई किए जाने की अपेक्षा जताई। सभापति कृष्णा चंद्राकर–जांच के बाद सामने आए सच्चाई-सभापति कृष्णा चंद्राकर की ओर से कहा गया कि सोशल मीडिया पर किसी भी सामग्री को प्रसारित करने से पहले उसकी सत्यता और भाषा की मर्यादा का ध्यान रखा जाना चाहिए। शिकायत में लगाए गए आरोपों की वास्तविकता पुलिस की जांच से स्पष्ट होगी और यदि जांच में किसी तरह का उल्लंघन सामने आता है तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए।

आनंद सरोवर दुर्ग में दिल्ली से पहुंचे 42 महाराज कुमार

रीटा दीदी ने कहा—त्याग, तपस्या और पवित्रता की झलक है इनके जीवन में

दुर्ग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में ओम शांति रिट्रीट सेंटर, दिल्ली से 42 भाइयों का शुभागमन हुआ। छत्तीसगढ़ प्रवास पर आए इन भाइयों का ब्रह्माकुमारी बहनों एवं स्थानीय भाई-बहनों ने आत्मीयता और गर्मजोशी से स्वागत किया। ओम शांति रिट्रीट सेंटर की विशेषता बताते हुए कहा गया कि यहां सेवा में समर्पित भाई-बहन ज्ञान, योग एवं आध्यात्मिक मूल्यों को अपने जीवन में धारण कर विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। ब्रह्माकुमारीज की पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी गुलजार जी, ओम शांति रिट्रीट सेंटर की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी तथा ब्रह्माकुमारीज के पूर्व महासचिव ब्रह्माकुमार बृजमोहन भाई जी के विशेष मार्गदर्शन में इन सभी ने अपने जीवन को ज्ञान, योग एवं मूल्यों से विशेष बनाया है।आगंतुक भाइयों का पुष्प एवं पट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं भाइयों ने ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की संचालिका रीटा दीदी एवं रूपाली दीदी का शाल पहनाकर सम्मान किया। स्वागत उद्बोधन में रीटा दीदी ने कहा, ÷भारत की राजधानी से आए त्याग, तपस्या और सेवा की प्रतिमूर्ति महाराज कुमारों का भगवान के घर आनंद सरोवर में स्वागत एवं अभिनंदन है। एक परमात्मा के घर से दूसरे परमात्मा के घर आए इन होली हंसों के मस्तक एवं नयनों से सौम्यता, मधुरता और पवित्रता दिखाई दे रही है।÷दुर्गेश भाई, जो होम्योपैथी चिकित्सक हैं, ने मन और शरीर के स्वास्थ्य के संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मन को स्वस्थ एवं सकारात्मक रखने में मेडिटेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बी.के. राजकुमार ने बताया कि ब्रह्माकुमारीज को भारत सरकार की ओर से विभिन्न वर्गों की सेवा के अवसर मिलते रहते हैं। इसी क्रम में 'एजिंग विद डिग्निटी' अभियान के माध्यम से बुजुर्गों को सम्मानपूर्वक एवं गौरवपूर्ण जीवन जीने के लिए देशभर में सेवाएं संचालित की जा रही हैं। कार्यक्रम में दीपेश भाई ने मधुर गीत तथा मदन भाई ने कविता प्रस्तुत की। मंच संचालन खुशबू बहन ने किया। इस अवसर पर दुर्ग के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में भाई-बहन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सेवा संकल्प अभियान: नारायणपुर में पीएम आवासों पर जले दीप

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 साल सेवा के उपलक्ष्य में आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत नारायणपुर जिले में जन-उत्साह का अनूठा माहौल देखने को मिला। जनपद पंचायत नारायणपुर की विभिन्न ग्राम पंचायतों में 'प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण' के अंतर्गत निर्मित पक्के मकानों में भव्य दीप प्रज्वलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नवनिर्मित पक्के मकानों में निवास कर रहे हितग्राही परिवारों ने अपने-अपने आशियानों को दीपों की कतारों से सजाया और सुख, समृद्धि एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री को सेवा के 25 वर्षों की शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की प्रार्थना की। योजना के लाभान्वित परिवारों ने खुशी साझा करते हुए कहा कि 'प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण' ने उनके वर्षों पुराने पक्के घर के सपने को साकार किया है। हितग्राहियों का कहना था कि इस योजना से उन्हें न केवल एक सुरक्षित और सम्मानजनक छत मिली है, बल्कि यह नया आवास उनके परिवार के बेहतर और खुशहाल भविष्य का मजबूत आधार बना है।

अतिथि शिक्षकों के मानदेय भुगतान के लिए 18.42 करोड़ रुपए का आवंटन जारी

रायपुर। राज्य शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों के मानदेय भुगतान के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु 18 करोड़ 42 लाख रुपए का आवंटन जारी किया गया है। यह राशि छह माह के मानदेय भुगतान के लिए जारी की गई है। आदेश में अतिथि शिक्षकों का प्रतिमाह मानदेय 20 हजार रुपए निर्धारित है। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा 18 सितम्बर को जारी आदेश के अनुसार प्रदेश के 25 जिलों के कुल 1535 अतिथि शिक्षकों के लिए राशि आवंटित की गई है। इसमें बस्तर जिले के 133 अतिथि शिक्षकों के लिए 1 करोड़ 59 लाख 60 हजार रुपए का आवंटन किया गया है। वहीं कांकेर के 126 अतिथि शिक्षकों के लिए 1 करोड़ 51 लाख 20 हजार रुपए तथा कोंडागांव के 141 अतिथि शिक्षकों के लिए 1 करोड़ 69 लाख 20 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसी प्रकार दंतेवाड़ा के 31 अतिथि शिक्षकों के लिए 37 लाख 20 हजार रुपए, सुकमा के 48 अतिथि शिक्षकों के लिए 57 लाख 60 हजार रुपए, बीजापुर के 48 अतिथि शिक्षकों के लिए 57 लाख 60 हजार रुपए और नारायणपुर के 36 अतिथि शिक्षकों के लिए 43 लाख 20 हजार रुपए का आवंटन जारी किया गया है।

शैक्षणिक कार्य के लिए डमरूधर को घर बैठे मिला प्रमाण पत्र

रायपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत डिजिटल सेवाओं का लाभ आम नागरिकों तक आसानी से पहुंचाया जा रहा है। कुम्हारी, कोसीर निवासी डमरूधर के लिए सेवा सेतु पोर्टल उस समय मददगार साबित हुआ, जब उन्हें अपनी बेटी के शैक्षणिक कार्य के लिए जाति प्रमाण पत्र की तत्काल जरूरत थी। डमरूधर ने सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया। संबंधित अधिकारियों द्वारा दस्तावेजों का डिजिटल माध्यम से सत्यापन किए जाने के बाद निर्धारित समय-सीमा में जाति प्रमाण पत्र जारी कर पोर्टल पर उपलब्ध करा दिया गया। इससे उन्हें प्रमाण पत्र के लिए कार्यालयों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़े। बेटी के शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश और छात्रवृत्ति संबंधी औपचारिकताओं के लिए प्रमाण पत्र आवश्यक था। ऑनलाइन प्रक्रिया के चलते आवेदन की स्थिति की जानकारी और प्रमाण पत्र डाउनलोड करने की सुविधा भी उन्हें घर बैठे मिल गई। इससे उनका समय और श्रम दोनों बचा और बेटी का जरूरी शैक्षणिक कार्य भी समय पर पूरा हो सका। डमरूधर ने बताया कि प्रमाण पत्र समय पर मिलने से उन्हें काफी राहत मिली। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया सरल रही और बिना कार्यालय जाए प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया। सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से मिली यह सुविधा डिजिटल गवर्नेंस के जरिए नागरिक सेवाओं को सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने का उदाहरण है। सेवा संकल्प अभियान के तहत ऐसी डिजिटल सेवाओं से आम लोगों को समय पर शासकीय सुविधाओं का लाभ मिल रहा है।

भू-राजस्व संहिता में सुधार से जमीन मालिकों को राहत, कम हुए कोर्ट-कचहरी के चक्कर

रायपुर। भूमि से जुड़े राजस्व मामलों में होने वाली प्रशासनिक जटिलताओं, लंबी प्रक्रियाओं और बार-बार की पेशियों से नागरिकों को राहत देने के लिए छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 में किए गए संशोधनों से राजस्व व्यवस्था में बदलाव आया है। नामांतरण, सीमांकन, अभिलेख और न्यायालयीन प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण से जमीन मालिकों के लिए प्रक्रियाएं अधिक सुगम और पारदर्शी बनाने का प्रयास किया गया है। संशोधनों के तहत धारा 110 में किए गए प्रावधानों के माध्यम से स्वत: ई-नामांतरण की व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया है। पंजीयन प्रक्रिया के साथ नामांतरण की कार्रवाई जुड़ने से भूमि संबंधी रिकॉर्ड को अपडेट करने की प्रक्रिया आसान हुई है। इसके साथ ही।

हर गांव में मुक्तिधाम और प्रतीक्षालय की दिशा में आगे बढ़ रहा राज्य

वीबी-जीरामजी से अब होंगे 375 प्रकार के अनुमेय कार्य-शर्मा

- जल संरक्षण से लेकर सड़क, स्कूल, पंचायत भवन, आजीविका, कृषि, पशुपालन और आपदा प्रबंधन के कार्य शामिल
- छत्तीसगढ़ के बजट में 4 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं को मिलेगा विस्तार

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में ग्रामीण विकास को रोजगार, आजीविका और स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण से जोड़ने की दिशा में विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जीरामजी) का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। मिशन के अंतर्गत अनुमेय कार्यों की संख्या अब 318 से बढ़ाकर 375 कर दी गई है। उप मुख्यमंत्री एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री विजय शर्मा ने अनुमेय कार्यों की संख्या में वृद्धि पर हर्ष जताते हुए कहा कि वीबी-जीरामजी के अंतर्गत अनुमेय कार्यों की संख्या 318 से बढ़कर 375 होने से विकास कार्यों को गति प्राप्त होगी और ग्रामीण विकास सुदृढ होगा। छत्तीसगढ़ शासन ने मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए वर्ष 2026-27 के बजट में 4 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रावधान का लाभ केवल मजदूरी भुगतान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके माध्यम से गांवों में ऐसी परिसंपत्तियों का निर्माण होगा, जो आने वाले वर्षों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करेंगी। श्री शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के लिए वीबी-जीरामजी के तहत 3,354.85 करोड़ रुपये का अंतरिम आवंटन प्रदान किया गया है। मिशन के

अंतर्गत अकुशल श्रमिकों की मजदूरी दर 261 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिदिन की गई है। रोजगार के दिनों में वृद्धि, मजदूरी दर में सुधार और स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण का यह समन्वय ग्रामीण परिवारों की आर्थिक सुरक्षा तथा गांवों के समग्र विकास को नई गति देगा। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत/2047 की परिकल्पना में गांवों को विकास की केंद्रीय इकाई के रूप में महत्व दिया है। वीबी-जीरामजी के माध्यम से रोजगार, आजीविका, जल संरक्षण, कृषि उत्पादकता, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अधोसंरचना को एक साथ जोड़ने का प्रयास इसी व्यापक दृष्टिकोण का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन तथा केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में ग्रामीण विकास को नई दिशा मिली है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि वीबी-जीरामजी के अंतर्गत 375 अनुमेय कार्यों को 4 मुख्य श्रेणियों और 30 उप-श्रेणियों में व्यवस्थित किया गया है। इनमें 68 प्रकार के व्यक्तिगत कार्य, 99 प्रकार के मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी कार्य तथा समूह और सामुदायिक उपयोगिता से जुड़े कार्य शामिल हैं। अनुमेय कार्यों की जानकारी प्रत्येक ग्रामीण तक आसानी से पहुंचे, इसके लिए राज्य में क्यूआर कोड भी जारी किया गया है, जिसके माध्यम से ग्रामीण अनुमेय कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। वीबी-जीरामजी की कार्य-सूची में शासकीय विद्यालयों की अधोसंरचना को विशेष महत्व दिया गया है। विद्यालयों में शौचालयों की मरम्मत, अतिरिक्त कक्षों का निर्माण, प्रयोगशालाएं, रसोई शेड, परिसर की दीवार और खेल मैदान जैसे कार्य इसके अंतर्गत किए जा सकेंगे। इसी दिशा में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा 'मेरी बेटी-मेरा अभिमान' अभियान संचालित किया जा रहा है।

सेवा सेतु पोर्टल से डमरूधर को घर बैठे मिला जाति प्रमाण पत्र..

रायपुर। संवाददाता

सेवा संकल्प अभियान' के तहत छत्तीसगढ़ में डिजिटल गवर्नेंस की गूंज अब ग्रामीण आंचल के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही है। शासन की योजनाओं और डिजिटल सेवाओं को पारदर्शी व त्वरित रूप से नागरिकों तक पहुंचाने की यह पहल कुम्हारी (कोसीर) निवासी श्री डमरूधर के लिए उस समय एक बड़ा सहारा बनी, जब उनकी बेटी के शैक्षणिक भविष्य के लिए जाति प्रमाण पत्र की अत्यंत आवश्यकता थी। डमरूधर की बेटी को शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश और छात्रवृत्ति से जुड़ी औपचारिकताओं को पूरा करने के लिए अतिशीघ्र जाति प्रमाण पत्र जमा करना था। पहले ऐसे दस्तावेजों के लिए सरकारी दफ्तरों के बार-बार चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन डमरूधर ने समय की नजाकत को समझते हुए 'सेवा सेतु पोर्टल' के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन आवेदन किया। आवेदन जमा होते ही संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए डिजिटल माध्यम से दस्तावेजों का सत्यापन किया। पूरी प्रक्रिया समय-सीमा के भीतर पारदर्शी तरीके से पूरी हुई और प्रमाण पत्र बनते ही पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया। डमरूधर ने बिना किसी भाग-दौड़ के इसे सीधे डाउनलोड कर लिया। 'सेवा सेतु पोर्टल' की इस त्वरित व्यवस्था ने न केवल डमरूधर के श्रम और समय की बचत की, बल्कि उनकी बेटी की पढ़ाई की राह में आ रही प्रशासनिक बाधा को भी खत्म कर दिया। अपनी खुशी जाहिर करते हुए डमरूधर ने कहा कि बेटी के दाखिले के लिए प्रमाण पत्र समय पर मिलना हमारे लिए बहुत बड़ी राहत की बात रही। बिना किसी दफ्तर के चक्कर काटे, घर बैठे काम होना शासन-प्रशासन की एक बेहतरीन पहल है। डमरूधर की यह सफलता की कहानी इस बात का जीवंत प्रमाण है कि सेवा संकल्प अभियान और सेवा सेतु पोर्टल किस प्रकार आम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहे हैं। डिजिटल गवर्नेंस की यह व्यवस्था प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुगम, पारदर्शी और पूरी तरह से नागरिक-केंद्रित बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

होटल-बार संचालकों को सख्त निर्देश दिए

रायपुर। रायपुर कमिश्नरेट के डीसीपी सेंट्रल जोन तारकेश्वर पटेल ने सिविल लाइन एवं तेलीबांधा क्षेत्र के होटल और बार संचालकों की बैठक लेकर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सी-4 सिविल लाइन में आयोजित बैठक में एडिशनल डीसीपी विवेक शुक्ला, एसीपी सिविल लाइन, डीएसपी रमाकांत साहू और संबंधित थाना प्रभारी मौजूद रहे। बैठक में होटल संचालकों को निर्देशित किया गया कि कमरा आवंटित करने से पहले प्रत्येक गेस्ट का वैध पहचान पत्र और मोबाइल नंबर अनिवार्य रूप से रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए। रिकॉर्ड सुरक्षित रखने के साथ विदेशी मेहमानों के ठहरने की स्थिति में निर्धारित प्रारूप के अनुसार संबंधित थाने को सूचना देने के निर्देश दिए गए। बार एवं रेस्टोरेंट संचालकों को निर्धारित समयसीमा का कड़ाई से पालन करने और समय के बाद प्रतिष्ठान खुले नहीं रखने को कहा गया।

सेवा संकल्प अभियान

पंजीयन शुल्क में मिली राहत बनी बेटी के भविष्य की बचत

- बलौदाबाजार की पायल भट्टर ने रजिस्ट्री में बचाए 1.32 लाख रुपये, बेटी के बचत खाते में जमा की पूरी राशि

रायपुर/ संवाददाता

एक महिला के लिए अपने नाम संपत्ति होना आर्थिक सुरक्षा का आधार बना और पंजीयन शुल्क में मिली बचत ने उसकी बेटी के भविष्य के लिए एक नई उम्मीद जोड़ दी। बलौदाबाजार की श्रीमती पायल भट्टर के लिए संपत्ति की रजिस्ट्री के दौरान मिली 50 प्रतिशत की पंजीयन शुल्क छूट महज आर्थिक राहत नहीं रही, बल्कि यह उनकी बेटी के भविष्य के लिए बचत का अवसर बन गई। पंजीयन शुल्क में छूट से बचे 1 लाख 32 हजार रुपये उन्होंने अपनी बेटी के बचत खाते में जमा कर दिए हैं। 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत हितग्राहियों से सीधे संवाद कर योजनाओं एवं नागरिक सुविधाओं के जमीनी प्रभाव को जाना जा रहा है। इसी संवाद के दौरान श्रीमती पायल भट्टर ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि पंजीयन शुल्क में मिली राहत से संपत्ति खरीदने का खर्च कम हुआ और बची राशि को उन्होंने बेटी के भविष्य के लिए सुरक्षित रखने का निर्णय लिया। श्रीमती पायल भट्टर ने बताया कि महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन पर मिलने वाली शुल्क छूट से उन्हें 1 लाख 32 हजार रुपये की बचत हुई। उन्होंने इस राशि को खर्च करने के बजाय अपनी बेटी के बचत खाते में जमा करने का निर्णय लिया, ताकि भविष्य में शिक्षा, जरूरत या किसी महत्वपूर्ण अवसर पर यह राशि उसके काम आ सके।

खेल संघों के साथ समन्वय से खिलाड़ियों को मिलेंगे ज्यादा मंच

- खिलाड़ियों के लिए बढ़ेंगे अवसर, खेल संघों से बेहतर संवाद और समन्वय पर खेल विभाग का फोकस

रायपुर। संवाददाता

प्रदेश में खेल और खिलाड़ियों के लिए अधिक से अधिक अवसर और मंच तैयार करने खेल एवं युवा कल्याण विभाग खेल संघों के साथ बेहतर संवाद और समन्वय पर जोर दे रहा है। खेल गतिविधियों को जिला स्तर तक विस्तार देने के साथ खेल प्रतिभाओं की खोज और उन्हें आगे बढ़ाने की दिशा में खेल विभाग और खेल संघ कार्ययोजना तैयार कर रहे हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक आकांक्षा शिक्षा खलखो ने आज राज्य के खेल संघों के पदाधिकारियों की बैठक लेकर गतिविधियों में तेजी लाने और आपसी समन्वय मजबूत करने के निर्देश दिए। राजधानी रायपुर स्थित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संचालनालय में आयोजित बैठक में प्रदेश के 25 से अधिक प्रमुख राज्य खेल संघों के पदाधिकारी शामिल हुए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक प्रभाकर पाण्डेय, उप संचालक (वित्त) रवि अग्रवाल, सहायक संचालक रुस्तम सारंग और खेल अधिकारी गिरीश शुक्ला भी बैठक में मौजूद थे। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक आकांक्षा शिक्षा खलखो ने सभी खेल संघों को अपना वार्षिक खेल कैलेंडर अनिवार्य रूप से खेल संचालनालय को भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खेल गतिविधियों की पूर्व नियोजित जानकारी उपलब्ध होने से विभाग और संघ मिलकर प्रतियोगिताओं, प्रशिक्षण तथा खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सुविधाओं की बेहतर तैयारी कर सकेंगे। उन्होंने प्रदेश के सभी 33 जिलों में जिला स्तरीय खेल संघों के चरणबद्ध पंजीयन और विभागीय मान्यता की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने पर भी विशेष जोर दिया। बैठक में बस्तर और सरगुजा संभाग के साथ दूरस्थ अनुसूचित क्षेत्रों में खेल गतिविधियों को व्यापक स्तर पर पहुंचाने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। खलखो ने कहा कि खेल प्रतिभाओं को अवसर केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहें।

सड़क, ऊर्जा, जल, सिंचाई और डिजिटल कनेक्टिविटी के विकास की बनेगी समग्र कार्ययोजना

रायपुर। प्रदेश में अधोसंरचना विकास को गति देने और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप मजबूत एवं एकीकृत अधोसंरचना तैयार करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन की बैठक शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में हुई। लोक निर्माण विभाग को मिशन का नोडल विभाग बनाया गया है। बैठक में प्रदेश के सड़क, ऊर्जा, ट्रांसमिशन, जल, सिंचाई, संचार, फाइबर नेटवर्क सहित अन्य प्रमुख अधोसंरचना के समग्र विकास के लिए दीर्घकालिक रणनीति और कार्ययोजना तैयार करने पर चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने प्रदेश के रोड नेटवर्क के लिए आगामी 20 वर्षों का मास्टर प्लान तैयार करने के निर्देश दिए। मास्टर प्लान में मौजूदा अधोसंरचना की स्थिति, भविष्य की जरूरतों, कनेक्टिविटी और संभावित विकास क्षेत्रों का आकलन किया जाएगा। इसके आधार पर परियोजनाओं की प्राथमिकता तय कर चरणबद्ध क्रियान्वयन की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इंटरमॉडल ट्रांसपोर्ट हब की संभावनाएं तलाशी जाएंगी मुख्य सचिव ने प्रदेश में इंटरमॉडल ट्रांसपोर्ट एवं लॉजिस्टिक्स हब विकसित करने की संभावनाओं का अध्ययन करने के निर्देश दिए। सड़क और रेल सहित विभिन्न परिवहन माध्यमों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी विकसित करने तथा माल परिवहन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक परियोजनाओं को चिन्हित किया जाएगा।

नुक्कड़ नाटक ने दिया सेवा का संदेश, अम्बेडकर चौक पर जुटे लोग

- नमो सेवा अनकही कहानियां' के तहत कलाकारों ने जनकल्याण और सामाजिक जिम्मेदारी का दिया संदेश

रायपुर/ संवाददाता

सेवा, जनकल्याण और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश लोगों तक सहज और प्रभावी तरीके से पहुंचाने के लिए रायगढ़ के अम्बेडकर चौक में नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। 'नमो सेवा अनकही कहानियां' के तहत आयोजित इस प्रस्तुति में कलाकारों ने आम लोगों के जीवन से जुड़े विषयों को रोचक अंदाज में प्रस्तुत करते हुए सेवा के महत्व को सामने रखा। नुक्कड़ नाटक देखने के लिए अम्बेडकर चौक पर लोगों की मौजूदगी रही और दर्शकों ने कलाकारों की प्रस्तुति को रुचि के साथ देखा। कलाकारों ने अपने अभिनय और संवादों के माध्यम से यह संदेश दिया कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था का दायित्व नहीं, बल्कि सामूहिक भागीदारी से सामाजिक बदलाव की राह मजबूत होती है। आम बोलचाल की भाषा और प्रभावी प्रस्तुति के जरिए सेवा एवं जनकल्याण से जुड़े संदेशों को लोगों तक पहुंचाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सेवा और जनकल्याण से जुड़े विचारों को जनसामान्य तक सहज माध्यम से पहुंचाना और सामाजिक सहभागिता के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। नुक्कड़ नाटक जैसे जनसंचार के माध्यम से लोगों को सीधे जोड़ने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर सुश्री शिल्पा भगत सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से सेवा के भाव को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। रायगढ़ में आयोजित 41वें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह-2026 की सातवीं सांस्कृतिक संध्या में युवा कथक नृत्यांगना कुमारी आहाना अग्रवाल ने अपनी मनोहारी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रायगढ़ घराने की समृद्ध कथक परंपरा पर आधारित उनकी प्रस्तुति में लय, ताल, भाव और घुंघरुओं की झंकार का ऐसा सुंदर संगम देखने को मिला कि पूरा समारोह परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। आहाना की सधी हुई नृत्य मुद्राओं और भावपूर्ण अभिव्यक्ति ने प्रस्तुति में खास रंग भर दिया। ओ.पी. जिंदल स्कूल की छात्रा आहाना अग्रवाल मां वैष्णवी संगीत महाविद्यालय, शाखा रायगढ़-सारंगढ़ में गुरु प्रीति रुद्र वैष्णव के मार्गदर्शन में कथक की शिक्षा ले रही हैं। कम उम्र में ही उन्होंने अपनी नृत्य प्रतिभा और साधना से अलग पहचान बनाई है।

नवा रायपुर में देशभर से आए कैंसर विशेषज्ञों का हुआ स्वागत

कैंसर केयर को मजबूत करने के साथ स्वस्थ मानव संसाधन तैयार करना जरूरी: वित्तमंत्री

- बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 में वित्त मंत्री ने कहाकृविकसित भारत के लक्ष्य के लिए स्वस्थ युवा आबादी सबसे बड़ी ताकत
- चिकित्सा क्षेत्र में शोध और विशेषज्ञ सेवाओं को बढ़ावा देने पर दिया जोर

रायपुर / संवाददाता

वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी आज नवा रायपुर में बाल्को मेडिकल सेंटर, कैंसर तथा टाटा मेमोरियल सेंटर द्वारा आयोजित चतुर्थ वार्षिक बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव-2026 में शामिल हुए। कॉन्क्लेव की थीम पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कैंसर केयर, स्वास्थ्य सेवाओं की भविष्य की चुनौतियों और देश की युवा आबादी को स्वस्थ बनाए रखने की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि भारत आज दुनिया के सबसे युवा देशों में शामिल है। देश की औसत आयु करीब 29 वर्ष है, जबकि छत्तीसगढ़ की औसत आयु करीब 24 वर्ष है। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह युवा आबादी भारत की आर्थिक प्रगति की सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इस युवा शक्ति का स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि आने वाले 10-20 वर्षों में भारत की जनसांख्यिकी में तेजी से बदलाव होगा और आबादी की औसत आयु बढ़ेगी। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र के सामने बड़ी चुनौती होगी कि देश आर्थिक रूप से विकसित होने से पहले अस्वस्थ न हो जाए। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मानव संसाधन किसी भी तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था की बुनियादी जरूरत है। इसलिए स्वास्थ्य क्षेत्र में समय रहते तैयारी, बेहतर चिकित्सा सुविधाओं, विशेषज्ञ सेवाओं और शोध को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। श्री चौधरी ने कहा कि आर्थिक विकास की गति के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना भी जरूरी है।

संपादकीय

जलवायु परिवर्तन अब चेतावनी नहीं, ठोस कदम उठाना होगा

कहीं तेज गर्मी तो कहीं भाषण बाढ़, बारिश ने विश्व का हाल बेहाल कर रखा है। यूरोप को धरती का ठंडा क्षेत्र माना जाता है, लेकिन अब वहां भी वनाग्नि की घटनाएं आम हो गई हैं। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के जंगल इन दिनों भीषण आग से दहक रहे हैं। यहां करीब ढाई लाख लोगों को घर-बार छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए दुनिया भर में कई योजनाएं और कार्यक्रम बनाए गए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर उन्हें अमल में लाने की गंभीरता कहीं नजर नहीं आती है। विडंबना यह है कि कार्बन उत्सर्जन में जिन देशों का योगदान सबसे कम है, उन्हें ही जलवायु परिवर्तन के प्रभाव का खमियाजा सबसे ज्यादा भुगतना पड़ रहा है। एक नई अध्ययन रिपोर्ट से भी इस बात की पुष्टि होती है, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि वैश्विक ताप में होने वाली बढ़ोतरी के कारण वर्ष 2050 तक सालाना चार लाख से अधिक लोगों की मौत हो सकती है। इनमें से दस गुना अधिक मौत गरीब देशों में होंगी, क्योंकि वहां लोगों के पास भीषण गर्मी से बचाव के लिए आवश्यक शीतलन सुविधाएं उपलब्ध कराने के संसाधन नहीं हैं।यही नहीं, तापमान बढ़ने से जंगलों में आग की घटनाएं भी लगातार भयावह होती जा रही हैं, जिससे न केवल पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, बल्कि मनुष्य के आवासीय इलाकों के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। गौरतलब है कि विश्व भर में विकास के नाम पर नए संसाधन विकसित करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है।

बढ़ते शहरीकरण एवं औद्योगीकरण, वाहनों की संख्या में बेतहाशा इजाफा तथा बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई और जंगलों को नष्ट किए जाने से कार्बन उत्सर्जन का स्तर लगातार बढ़ रहा है।इसमें सबसे बड़ा योगदान विकसित देशों का है, मगर जलवायु परिवर्तन से निपटने के प्रयासों में वे निचली कतार में खड़े हैं। बढ़ते तापमान की वजह से जंगल की आग भी विनाशकारी साबित हो रही है।यूरोप को धरती का ठंडा क्षेत्र माना जाता है, लेकिन अब वहां भी वनाग्नि की घटनाएं आम हो गई हैं। दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के जंगल इन दिनों भीषण आग से दहक रहे हैं। यहां करीब ढाई लाख लोगों को घर-बार छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है।भारत में भी हर साल जंगल की आग से वनस्पतियों का व्यापक नुकसान होता है। ऐसे में जरूरी है कि सुरक्षित भविष्य के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों को लेकर गंभीरता दिखाई जाए और उन पर सख्ती से अमल किया जाए।

रूढ़वादियों के तुष्टीकरण हेतु तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने सदन में 19 मई 1986 को मुस्लिम महिला अधिनियम पारित किया और देश की सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को निष्प्रभावी कर दिया। मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए वक्फ को मजबूत किया गया। वर्तमान में वक्फ बोर्ड के पास कुल 8.72 लाख से अधिक पंजीकृत अचल संपत्तियां, 16 हजार से अधिक चल संपत्तियां तथा 38 लाख एकड़ से अधिक भूमि है। ईसाइयों की धार्मिक संपत्तियों के लिए कैनन लॉ के नियम लागू होते हैं। वहीं हिन्दुओं के मंदिरों की सम्पत्तियों पर सरकारी कब्जे के फरमान जारी होते रहे। अधिकांश पर सरकारी कारिन्दों को प्रशासक बनाकर बैठा दिया गया जो सरकार के इशारे तथा स्वयं की मर्जी से व्यवस्थाओं संशोधित कर रहे हैं। इतिहास के पन्नों की कालिख के अलावा अब वर्तमान परिदृष्य बेहद कष्टप्रद होता जा रहा है। भगवां यात्रायें निकालने वाले हों या फिर हरे झंडे के नीचे धमकियां देने वाले। नीली जमात के सिपाहसालार हों या फिर सफेद टोपी वालों की भीड।

राजनीति के दंगल में धार्मिक तुष्टीकरण के दांव

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

बंगाल से लेकर दिल्ली तक दुर्गा पूजा पर मांसाहार के भक्षण पर बयानों, प्रदर्शनों और शब्द मंथन का दौर प्रारम्भ हो गया है। खान-पान, रहन-सहन और सोच-विचार के आधार पर देश को बांटने का प्रयास आक्रान्ताओं के आगमन के साथ ही शुरू हो गया था। चाटुकारों की लोलुप मानसिकता ने राष्ट्रभक्ति को दफन करके मीरजाफर की सोच को अंगीकार किया और भौतिक सुख की कल्पना में स्वयं के दुःखद अंत तक पहुंच गये। अतीत के पन्ने में चाटुकारों, लालचियों और स्वार्थी लोगों की कहानियां भरी पडीं हैं। सत्ता सुख, सम्मानित मंच और आर्थिक भण्डारण की मृगमारीचिका के पीछे दौडने वालों ने समय से साथ अवसरवादिता को अपनाया। कभी कट्टरता के आगे नतमस्तक हुए तो कभी शक्ति के आगे घुटने टेक दिये। कभी वैभव बटोरने के लिए नैतिकता की हत्या की तो कभी विलासता के लिए नीलामी के तख्ते पर खडे हो गये। ऐसे ही लोगों ने अपनों के छला और विरासत में मिलने वाली स्वयं की राष्ट्रीय थाथी को आतिताइयों के हाथों में पहुंचा दिया। संस्कृति, संस्कार और सनातन किस्तों में कत्ल होता चला गया। वैदिक परम्पराओं और मान्यताओं पर कुठाराघात होता चला गया। शान्त, सहज और सरल जीवन यापन करने वालों पर चन्द चालाकों ने शिकंजा कसा और शाश्वत सिद्धान्तों की मनमानी व्याख्यायें करके स्वयं भू संरक्षक बना बैठे। धर्म को छुईमुई का पौधा बनाकर रख दिया गया। अजर, अमर और अविनाशी धर्म को छुने, खाने, पहनने, बोलने, करने जैसी क्रियाओं से नष्ट होने की परिभाषायें दी जाने लगीं। विजातीय होने की घोषणायें होने लगी। परिणामस्वरूप सत्य पर असत्य का आवरण चढता चला गया। देश, काल और परिस्थितियों के अनुरूप जीवन शैली अपनाने वालों ने नये परिवेश में भी अपनी मान्यताओं को रूढियों में बदलकर लकीर पीटना शुरू कर दिया। शासकों ने शासितों पर अपनी मान्यताओं को थोप दिया। लम्बे समय तक गुलामी झेलने के कारण आम आवाम का आत्मविश्वास तार-तार हो गया। यही कारण है कि स्वाधीनता संग्राम में आक्रामकता को अंगीकार करने वालों के स्थान पर काले अंग्रेज बन चुके विलायती चाटुकारों

के हाथों में षडयंत्र के तहत देश सौपा गया। नये तानाशाह का राजतिलक हुआ। बांटो और राज करो, की नीतियां चलती रहीं। धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, भाषा के नाम पर, क्षेत्र के नाम पर बटवारे किये जाते रहे। सभी वर्गों के मीरजाफरों को पर्दे के पीछे से संरक्षण दिया जाता रहा। हालात यहां तक पहुंच गये कि तुष्टीकरण के लिए संविधान संशोधन भी किये जाते रहे ताकि अपने लोगों को खुश रखा जा सके। कभी न्याय के मापदण्ड बदले गये तो कभी धार्मिक सम्पत्तियों के लिए कठोर नियम बनाये। कभी पुरातन मान्यताओं को तोडा गया तो कभी आस्था पर आघात किया गया। स्वतंत्र भारत में ऐसे अनगिनत उदाहरण भरे पडे हैं जिनमें से शाहबानो प्रकरण तो आज देश की राजनीति से जवाब मांग रहा है। सन् 1985 में सर्वोच्च न्यायालय ने मोहम्मद अहमद खान बनाम शाहबानो बेगम प्रकरण में स्वयं का भरण-पोषण करने में असमर्थ तलाकशुदा महिला के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के अंतर्गत भरण-पोषण के अधिकार को मान्यता दी। कोर्ट ने शाह बानो बेगम के पक्ष में फैसला सुनाते हुए उन्हें गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया जिससे कट्टरपंथी नाराज हो गये। रूढवादियों के तुष्टीकरण हेतु तत्कालीन राजीव गांधी सरकार ने सदन में 19 मई 1986 को मुस्लिम महिला अधिनियम पारित किया और देश की सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को निष्प्रभावी कर दिया। मुस्लिम तुष्टीकरण के लिए वक्फ को मजबूत किया गया। वर्तमान में वक्फ बोर्ड के पास कुल 8.72 लाख से अधिक पंजीकृत अचल संपत्तियां, 16 हजार से अधिक चल संपत्तियां तथा 38 लाख एकड़ से अधिक भूमि है। ईसाइयों की धार्मिक संपत्तियों के लिए कैनन लॉ के नियम लागू होते हैं। वहीं हिन्दुओं के मंदिरों की सम्पत्तियों पर सरकारी कब्जे के फरमान जारी होते रहे। अधिकांश पर सरकारी कारिन्दों को प्रशासक बनाकर बैठा दिया गया जो सरकार के इशारे तथा स्वयं की मर्जी से व्यवस्थाओं संशोधित कर रहे हैं। इतिहास के पन्नों की कालिख के अलावा अब वर्तमान परिदृष्य बेहद कष्टप्रद होता जा रहा है। भगवां यात्रायें निकालने वाले हों या फिर हरे झंडे के नीचे धमकियां देने वाले। नीली जमात के सिपाहसालार हों या फिर सफेद टोपी वालों की भीड। लाल फीताशाही हो या फिर खद्दरधारियों की जमातें। समाज सेवक के लबादे में लिपटे षडयंत्रकारी हों या फिर बुद्धिजीवियों के स्वयं भू ठेकेदार। सभी एक सुनियोजित षडयंत्र के तहत आम आवाम को ठगने, सत्ता सुख भोगने, विलासता के संसाधन जुटाने में लगे हैं। सनातन की सरलता ने उसे राजनैतिक दलों का चारागाह बना दिया है। बहुसंख्यक का नाम देकर उस पर अत्याचारों की दावानल निरंतर गिराया जा रहा है। जातिगत वैमनुष्यता फैलाई जा रही है। वैदिक मान्यताओं तक को हाशिये पर पहुंचाया जा रहा है। उदाहरण के लिए सनातनी ग्रन्थों में उल्लेखित चार धामों के विस्तार को लें तो वर्तमान में सरकारी तंत्र की गतिविधियों में छुपा षडयंत्र सामने आ ही जाता है। देश के वर्तमान मानचित्रानुसार उत्तराखण्ड में श्रीबद्रीनाथ धाम, उडीसा में श्रीजगन्नाथ धाम, तमिलनाडु में श्रीरामेश्वरम धाम तथा गुजरात में श्रीद्वारिका धाम की स्थिति ही चारों धाम की परिभाषा को पूर्ण करते हैं परन्तु उत्तराखण्ड की सरकारी मशानरी लम्बे समय से अपने राज्य में ही चारों धाम होने का जयघोष करके सनातनी ग्रन्थों को झूठा साबित करने पर तुली है। वहां के सरकारी आंकडों में श्रीबद्रीनाथ, श्रीकेदारनाथ, श्रीगंगोत्री और श्रीयमुनात्री ही चारों धाम हैं। ऐसा ही प्रयास कांग्रेस के शासन काल में श्रीरामसेतु की प्रमाणिकता के दौरान भी किया गया था जिसमें प्रमाणों को झुठलाकर उसे काल्पनिक तक बताया गया था। सूत्रों में समायोजित सनातनी ग्रन्थों ने अपने दर्शन को कथानकों के माध्यम से रोचकता प्रदान करते हुए वर्णित किया है जिसे तत्वदर्शियों, ज्ञानियों तथा तपस्वियों से ही उसका मर्म समझा जा सकता है। जैसे कहानी के कथानक, कथोपकथन आदि के पीछे उसकी शिक्षा छुपी होती है वैसे ही सनातनी ग्रन्थों की व्याख्या भी है। संस्कृत को हिन्दी में अनुवादित करने वालों ने अपनी समकालीन सामाजिक व्यवस्थाओं को भी धर्म के नाम पर परोस दिया था जिसे आज भी अनेक कथित विद्वानजन मान्यता के रास्ते से रूढि बनाने पर तुले हैं। अनेक अनुवाद तो देश की गुलामी के दौरान कराये गये। ग्रन्थों को आतिताई शासनों ने विकृत किया था। सामाजिक व्यवस्था को सुखद बनाने वाले आज स्वयं के हित साधने में लगे हैं। दलगत राजनीति के दिखावे के पीछे निजी हितों की लहरें छुपी हैं जो अब सुनामी बनकर देश को ही नस्तनाबूत करने पर तुल गई हैं। बहुरूपिये बनकर खद्दरधारियों की जमातें चुनावी काल में मंदिर, मस्जिद, चर्च, गुरुद्वार पहुंचने लगते हैं। जातिगत महापुरुषों को देवता, भगवान और परमात्मा तक मानने लगते हैं। अभी से ही संख्याबल के आधार पर नये दावपेंच चले जा रहे हैं। ऐसे में देश को आम आवाम को स्वयं आगे आकर एक देश-एक कानून की मांग उठाना चाहिए तभी राजनीति के दंगल में धार्मिक तुष्टीकरण के दांव विफल होंगे। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को जरूर लगाएं इन चीजों का भोग, बप्पा को है अत्यंत प्रिय

(ज्योति साह)

गणेश उत्सव शुरु हो चुका है। विधि-विधान से लोग अपने घरों में बप्पा का स्वागत हुआ। गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की पूजा और उन्हें कई प्रकार के भोग लगाए जाते हैं। मान्यता है कि गणेश जी को उनके प्रिय भोग जरूर अर्पित करने चाहिए। इससे बप्पा प्रसन्न होते हैं। तो चलिए जानें भगवान गणेश के प्रिय भोग। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर देशभर में भक्त धूमधाम से भगवान गणेश का अपने-अपने घरों में स्वागत करते हैं। हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि पर गणेश चतुर्थी का त्योहार मनाया जाता है। मान्यता है कि इसी तिथि पर बप्पा का जन्म हुआ था। घर में भगवान गणेश को पूरे विधि-विधान के साथ-साथ सही दिशा और सात्विक नियमों का पालन करते हुए रखना अनिवार्य होता है। ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि गणेश चतुर्थी पर बप्पा की विधि-विधान से पूजा करने के साथ-साथ उन्हें कुछ चीजों को भोग जरूर लगाना चाहिए। ऐसा करने से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और उनकी कृपा से परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। तो चलिए विस्तार से जानें भगवान गणेश के प्रिय भोग जो गणेश चतुर्थी पर बप्पा को जरूर लगाने चाहिए। साथ ही, इस दौरान कुछ नियमों का ध्यान भी जरूर रखना चाहिए। मोदक - ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, भगवान गणेश को चावल के आटे, ताजे नारियल और गुड़ से बने 21 उकडीचे मोदक का भोग लगाना चाहिए। क्योंकि, ये मोदक उन्हें अत्यंत प्रिय है। लड्डू का भोग - शुद्ध देसी घी से बने मोतीचूर या बेसन के लड्डू भी भगवान गणेश को अर्पित करने चाहिए। पीला रंग बृहस्पति ग्रह से संबंधित है और सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है। ऐसे में गणेशजी को लड्डू का भोग लगाने से आर्थिक समस्याएं कम हो सकती हैं। केले का जोड़ा -गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को कभी भी अकेला केला यानी एक केला अर्पित नहीं करना चाहिए। उन्हें हमेशा दो पके हुए केले का जोड़ा ही चढ़ाएं। 21 दूर्वा और गुड़-नारियल -बप्पा के लिए भोग की थाली तैयार करते समय उसमें 21 गांठ दूर्वा के साथ शुद्ध गुड़ और ताजे नारियल की गिरी जरूर रखें। भगवान गणेश को दूर्वा अत्यंत प्रिय है। केसरीया खीर और पंचामृत - गाय के शुद्ध दूध मखाने-चावल से केसरिया खीर बनाकर उसका भोग लगाएं। यह खीर गणेश जी को बहुत प्रिय है। इसे अर्पित करने से घर में समृद्धि और शांति का वास बना रह सकता है। पूरन पोली - चना दाल, गुड़ और शुद्ध घी से बनी पूरन पोली बप्पा को अत्यंत प्रिय है। ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या बताती हैं कि चना दाल और गुड़ से बना ये भोग गणेशजी को अर्पित करने से घर के सदस्यों की बुद्धि तेज होती है और बिजनेस व करियर में तरक्की के रास्ते खुल सकते हैं। सूजी का शीरा - शुद्ध घी, सूजी, चीनी और ड्राई फ्रूट्स से तैयार किया शीरा यानी हलवा का भोग भी भगवान गणेश को जरूर लगाएं। ये भोग अर्पित करने से परिवार के बीच आपसी प्रेम और शांति बढ़ सकती है। हालांकि, बप्पा को भोग लगाते समय कुछ नियमों का ध्यान जरूर रखना चाहिए।

साथ ही, इस दौरान कुछ नियमों का ध्यान भी जरूर रखना चाहिए। मोदक - ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, भगवान गणेश को चावल के आटे, ताजे नारियल और गुड़ से बने 21 उकडीचे मोदक का भोग लगाना चाहिए। क्योंकि, ये मोदक उन्हें अत्यंत प्रिय है। लड्डू का भोग - शुद्ध देसी घी से बने मोतीचूर या बेसन के लड्डू भी भगवान गणेश को अर्पित करने चाहिए। पीला रंग बृहस्पति ग्रह से संबंधित है और सकारात्मक ऊर्जा को दर्शाता है। ऐसे में गणेशजी को लड्डू का भोग लगाने से आर्थिक समस्याएं कम हो सकती हैं। केले का जोड़ा - गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को कभी भी अकेला केला यानी एक केला अर्पित नहीं करना चाहिए।

गणेशजी को भोग लगाते समय इन नियमों का रखें ध्यान – गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश को भोग लगाते समय आपका मुख पूर्व या उत्तर दिशा की तरफ ही होना चाहिए। इस दिशा को वास्तु में बहुत शुभ माना जाता है। भोग हमेशा चांदी, पीतल, तांबे या केले के पत्ते पर रखकर ही अर्पित करना चाहिए। भूलकर भी कांच, प्लास्टिक या लोहे के बर्तन में भगवान गणेश को भोग न लगाएं। शास्त्रों के अनुसार, गणेशजी की पूजा और नैवेद्य में तुलसी का पत्ता भूलकर भी शामिल नहीं करना चाहिए। क्योंकि शिवजी और बप्पा की मूर्ति में तुलसी दल का प्रयोग करना वर्जित माना गया है।

38 साल बाद श्रीलंका की यात्रा पर गये भारतीय रक्षा मंत्री, पहुँचते ही चाइना का सारा खेल पलट दिया

राजनाथ सिंह ने कोलंबो में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए जिस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया, उसका रणनीतिक संदेश बेहद स्पष्ट था, पड़ोसी बदले नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि भारत श्रीलंका को अपना बेहद करीबी मित्र मानता है और संकट की किसी भी घड़ी में उसके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। यह केवल भावनात्मक बयान नहीं, बल्कि 2022 के आर्थिक संकट और 2025 में चक्रवात दित्वाह के बाद भारत की त्वरित सहायता से जुड़ी उस विश्वसनीयता का राजनीतिक विस्तार है, जिसे श्रीलंका में चीन के मुकाबले भारत की सबसे बड़ी ताकत माना जा सकता है।

(नीरज कुमार दुबे)

श्रीलंका हिंद महासागर के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बीच स्थित है। कोलंबो, हंबनटोटा और अन्य बंदरगाहों की भौगोलिक स्थिति इसे भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए असाधारण महत्व देती है। पिछले वर्षों में चीन की आर्थिक और बंदरगाह परियोजनाओं ने श्रीलंका को बीजिंग के रणनीतिक प्रभाव के केंद्र में ला दिया था। करीब 38 साल बाद किसी भारतीय रक्षा मंत्री का श्रीलंका पहुंचना हिंद महासागर की बदलती भू-राजनीति में भारत की उस रणनीतिक वापसी का संकेत है, जिसमें सुरक्षा, समुद्री शक्ति, आर्थिक साझेदारी और जनविश्वास, चारों मोर्चों को एक साथ साधा जा रहा है। इससे पहले 1988 में तत्कालीन रक्षा मंत्री केसी पंत श्रीलंका गए थे और अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोलंबो की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। राजनाथ सिंह ने कोलंबो में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए जिस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया, उसका रणनीतिक संदेश बेहद स्पष्ट था, पड़ोसी बदले नहीं जा सकते। उन्होंने कहा कि भारत श्रीलंका को अपना बेहद करीबी मित्र मानता है और संकट की किसी भी घड़ी में उसके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा। यह केवल भावनात्मक बयान नहीं, बल्कि 2022 के आर्थिक संकट और 2025 में चक्रवात दित्वाह के बाद भारत की त्वरित सहायता से जुड़ी उस विश्वसनीयता का राजनीतिक विस्तार है, जिसे श्रीलंका में चीन के मुकाबले भारत की सबसे बड़ी ताकत माना जा सकता है।

चीन के मुकाबले भारत की बढ़त क्यों अहम? – श्रीलंका हिंद महासागर के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों के बीच स्थित है। कोलंबो, हंबनटोटा और अन्य बंदरगाहों की भौगोलिक स्थिति इसे भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए असाधारण महत्व देती है। पिछले वर्षों में चीन की आर्थिक और बंदरगाह परियोजनाओं ने श्रीलंका को बीजिंग के रणनीतिक प्रभाव के केंद्र में ला दिया था। लेकिन मौजूदा घटनाक्रम संकेत देता है कि कोलंबो अब एकतरफा चीनी निर्भरता की बजाय संतुलित साझेदारी को प्राथमिकता दे

रहा है। खुद श्रीलंका के संडे टाइम्स ने राजनाथ सिंह के दौरे से पहले लिखा कि भारत चाहता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछली यात्रा के दौरान हुए समझौतों को तेजी से लागू किया जाए। अखबार ने यह भी रेखांकित किया कि सिंह की यात्रा ऐसे समय हो रही है जब श्रीलंका को अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों को अधिक सक्रियता से संचालित करना होगा। इसी अखबार के संपादकीय ने इससे भी बड़ा संकेत दिया। उसने हिंद महासागर में बढ़ती सैन्य गतिविधियों, समुद्री मार्गों और बंदरगाहों की भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच श्रीलंका को फिर से जियोपोलिटिकल वोटर्स में बताया और चीन के संदर्भ में पहले सामने आए संदिग्ध शोध-पोतों के मुद्दे को याद किया। यानी श्रीलंका की अपनी मीडिया बहस भी यह स्वीकार कर रही है कि द्वीप की सुरक्षा और संप्रभुता अब सीधे हिंद महासागर की महाशक्ति प्रतिस्पर्धा से जुड़ी है।

रक्षा सहयोग अब कागज से जमीन पर – इस यात्रा का सबसे ठोस परिणाम तीन महत्वपूर्ण रक्षा समझौतों के रूप में सामने आ रहा है। इनमें दोनों देशों के नेशनल कैडट कार्पस के बीच सहयोग, भारत और श्रीलंका के नेशनल डिफेंस कालेज के बीच साझेदारी तथा श्रीलंकाई वायुसेना के भारतीय मूल के 70 एंटी-एयरक्राफ्ट हथियारों के रखरखाव में भारत की सहायता शामिल है। भारत पहले ही 24 ऐसे हथियार श्रीलंका को दे चुका है और अब शेष छह की भी मुफ्त में मेंटेनेंस सहायता करेगा। यहां असली महत्व हथियारों से ज्यादा दीर्घकालिक सैन्य इंटरऑपरेबिलिटी और संस्थागत संबंधों का है। प्रशिक्षण, रक्षा शिक्षा और उपकरणों का रखरखाव किसी देश को केवल हथियार बेचने से कहीं ज्यादा गहरे सुरक्षा रिश्ते में बांधता है। इसके साथ ही कोलंबो बंदरगाह पर भारतीय नौसेना के आईएनएस उदयगिरी की मौजूदगी ने यात्रा को स्पष्ट समुद्री आयाम भी दे दिया है।

दिल जीतने की कूटनीति – राजनाथ सिंह ने केवल रक्षा की भाषा नहीं बोली। उन्होंने भारत की आर्थिक क्षमता, तेजी से बदलती अर्थव्यवस्था और वैश्विक भूमिका को भी सामने रखा। उन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था के करीब 4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने, 7.8 प्रतिशत तिमाही वृद्धि और वैश्विक विकास में 16 प्रतिशत से अधिक योगदान का उल्लेख किया। यह संदेश श्रीलंका के लिए महत्वपूर्ण है कि भारत अब केवल सुरक्षा प्रदाता नहीं, बल्कि आर्थिक अवसरों का स्रोत भी है। उधर, श्रीलंका के राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी इस रिश्ते की सकारात्मक स्वीकार्यता दिखाई दे रही है। पूर्व ईस्टर्न प्रोविंस गवर्नर और सीलोन वर्कर्स कांग्रेस नेता सेंथिल थोंडामन ने राजनाथ सिंह की यात्रा को दोनों देशों की रक्षा साझेदारी मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि श्रीलंका ने सरकारें बदलने के बावजूद भारत के साथ रक्षा क्षेत्र में सहयोग बनाए रखा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को श्रीलंका के लोगों द्वारा बड़े भाई की तरह स्वीकार किए जाने की बात भी कही।

रणनीतिक निष्कर्ष- भारत ने बाजी कैसे पलटी? – देखा जाये तो यह स्पष्ट है कि भारत ने श्रीलंका को चीन की एकाधिकारवादी रणनीतिक निर्भरता की ओर जाने से रोकने के लिए एक मजबूत वैकल्पिक सुरक्षा और आर्थिक ढांचा खड़ा कर दिया है। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी रणनीतिक जीत है। भारत ने सैन्य शक्ति के साथ विश्वसनीयता, संकट में मदद, सांस्कृतिक निकटता, आर्थिक अवसर और जनसंपर्क को एक पैकेज में बदल दिया है। श्रीलंका को यह संदेश मिल रहा है कि भारत उसके सामने कोई दूर की महाशक्ति नहीं, बल्कि वह पड़ोसी है जो संकट में सबसे पहले पहुंच सकता है। हिंद महासागर के इस निर्णायक भूगोल में यही भारत की सबसे बड़ी बढ़त है। चीन बंदरगाहों और परियोजनाओं के जरिए प्रभाव बनाता है, जबकि भारत अब सुरक्षा, साझेदारी और भरोसे के जरिए अपना प्रभाव गहरा कर रहा है। राजनाथ सिंह की कोलंबो यात्रा केवल रक्षा कूटनीति नहीं; यह हिंद महासागर में भारत की रणनीतिक वापसी और श्रीलंका के दिल-दिमाग दोनों में अपनी जगह मजबूत करने की कवायद है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खनिज न्यास निधि का 'अदभुत' खेल : जहां जरूरत नहीं वहां बना दिया 19.75 लाख का पुल, नदी छोड़ तट पर खड़ा कर दिया ढांचा

भानुप्रतापपुर। एक तरफ जहां जिले के दर्जनों अंदरूनी गांव एक-एक पुल-पुलिया और पक्की सड़क के लिए तरस रहे हैं, बारिश के दिनों में उफनते नालों के कारण ग्रामीणों का संपर्क ब्लॉक मुख्यालयों से कट जाता है, वहीं दूसरी तरफ प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। दुर्गुकोंदल ब्लॉक के ग्राम पंचायत आमाकड़ा में जनप्रतिनिधियों और जिम्मेदार अधिकारियों की सांठगांठ से बिना जरूरत के ही करीब 20 लाख रुपये की लागत से एक पुलिया का निर्माण कराया जा रहा है। अजीबोगरीब बात यह है कि जिस बहती नदी पर ग्रामीणों को पार जाने के लिए पुल की आवश्यकता थी, उसे छोड़कर नदी के तट पर सूखी जमीन पर ही पुलिया का ढांचा खड़ा किया जा रहा है। इस अजीबोगरीब निर्माण को देखकर ग्रामीण भी हैरान हैं और सवाल उठा रहे हैं कि आखिर किस तकनीकी विशेषज्ञता के तहत इंजीनियरों ने इसका एस्टीमेट तैयार किया और अधिकारियों ने इसे मंजूरी दी। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि यह पूरा निर्माण केवल कमीशनखोरी और सरकारी खजाने को चूना लगाने के लिए किया जा रहा है। जिला खनिज न्यास निधि का उददेश्य खनन प्रभावित क्षेत्रों और अंदरूनी गांवों का विकास करना था, लेकिन यह निधि अधिकारियों और बिचौलियों के लिए कमाई का जरिया बनती दिख रही है। ग्रामीणों का सीधे तौर पर कहना है कि पंचायत के सरपंच, सचिव और संबंधित विभाग के अधिकारी खुद ही ठेकेदार की भूमिका में आ गए हैं। कागजों में पेटी कांट्रैक्टर दिखाकर पूरा काम अधिकारी और उनके चहेते ही संभाल रहे हैं, जिससे काम की गुणवत्ता पर भी बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। आमाकड़ा और आसपास के क्षेत्र में मुख्य नदी को पार करने के लिए ग्रामीण बरसों से पक्के पुल की मांग कर रहे हैं। यदि यह 19 लाख 75 हजार रुपये की राशि नदी के मुख्य बहाव क्षेत्र पर खर्च की जाती, तो बारिश के दिनों में कई गांवों की राह आसान हो जाती। लेकिन अधिकारियों ने अपनी सुविधा और केवल एस्टीमेट खपाने के चक्कर में नदी के किनारे तट पर ही निर्माण खड़ा कर दिया। जहां जरूरत है वहां प्रशासन आंखें मूंद लेता है, और जहां 1 का काम नहीं है वहां 20 लाख रुपये पानी की तरह बहाए जा रहे हैं। खनिज न्यास निधि के आधे से ज्यादा काम केवल पैसे की बर्बादी साबित हो रहे हैं। नदी के मुख्य बहाव को छोड़कर तट पर पुलिया बनाने का फैसला किस सर्वे रिपोर्ट के आधार पर लिया गया? एस्टीमेट बनाने वाले सब-इंजीनियर से लेकर कार्य को स्वीकृति देने वाले अधिकारियों ने मौके का मुआयना किया भी था या बंद कमरों में बैठकर फाइलें पास कर दी गईं? इन सवालों ने पूरे तकनीकी अमले को कटघरे में खड़ा कर दिया है। ग्रामीणों ने अब इस फर्जीवाड़े की शिकायत जिला कलेक्टर और उच्च अधिकारियों से करने का मन बनाया है। क्षेत्रवासियों की मांग है कि आमाकड़ा में बन रहे इस अनुपयोगी 19.75 लाख के पुल निर्माण पर तत्काल रोक लगाई जाए। स्थल निरीक्षण किए बिना गलत एस्टीमेट बनाने वाले इंजीनियर और स्वीकृति देने वाले अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई की जाए। खनिज न्यास निधि से पंचायत में कराए गए पिछले सभी कार्यों की निष्पक्ष तकनीकी जांच कराई जाए। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इस मामले में क्या संज्ञान लेता है, या फिर ग्रामीणों के हक का पैसा इसी तरह गैर-जरूरी निर्माणों की भेंट चढ़ता रहेगा।

मोदी के जन्मदिन पर 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर कांग्रेस का विरोध : संजय राय

नारायणपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में एक माह तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रस्तावित है। इस अभियान को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी नारायणपुर के संगठन महामंत्री संजय राय ने भाजपा पर राजनीतिक आयोजन को 'जनसेवा' का नाम देने का आरोप लगाते हुए विरोध दर्ज कराने की बात कही है। संजय राय का कहना है कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर व्यक्तिगत महिमामंडन से अधिक जरूरी आम जनता से जुड़े जमीनी मुद्दों पर ध्यान देना है। कांग्रेस का आरोप है कि प्रदेश में महंगाई, पेट्रोल डीजल और घरेलु गैस, के बढ़ते दाम,बेरोजगारी, बिजली की बढ़ती कीमतों और स्मार्ट मीटर जैसे मुद्दों सड़को का बद से बत्तर हालत स्वस्थ सुविधा, शिक्षा कि लचर व्यवस्था को लेकर आम लोगों में असंतोष है। ऐसे समय में बड़े स्तर पर उत्सव आयोजित करने के बजाय सरकार को इन समस्याओं के समाधान पर प्राथमिकता देनी चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यदि वास्तव में जनसेवा को अभियान का केंद्र बनाया जाना है तो गरीब, किसान, मजदूर, युवा और आम उपभोक्ताओं से जुड़े मुद्दों पर ठोस कार्रवाई दिखाई देनी चाहिए। राय ने कहा कि कांग्रेस इस अभियान के राजनीतिक स्वरूप का पुरजोर विरोध करते हुए जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगी एवं इस विरोध की जानकरी प्रेस वार्ता के माध्यम से जन जन तक पंहुचायेगी।

राष्ट्रीय पोषण माह: आंगनबाड़ी केंद्रों में सजी 'सुपोषण चैपाल' पारंपरिक व्यंजनों और गोद भराई से दिया सेहत का संदेश

जगदलपुर। राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत आकांक्षी विकासखंड तोकापाल के आंगनबाड़ी केंद्रों में महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में सभी सेक्टरों के केंद्रों में 'सुपोषण चैपाल' का भव्य आयोजन किया गया, जहां तृतीय गुरुवार के विशेष अवसर पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की गई और पोषण से जुड़ी विविध गतिविधियों का संचालन हुआ। इस आयोजन की सबसे खास बात समुदाय की सक्रिय और उत्साहपूर्ण भागीदारी रही। चैपाल के लिए महिलाओं ने अपने-अपने घरों से स्थानीय स्तर पर उपलब्ध अनाजों, हरी सब्जियों और प्राकृतिक सामग्रियों से पौष्टिक पारंपरिक व्यंजन तैयार कर प्रदर्शित किए। इस अनूठी प्रदर्शनी के माध्यम से उपस्थित महिलाओं और परिजनों को यह समझाया गया कि कैसे बिना किसी अतिरिक्त खर्च के, घर में मौजूद पारंपरिक खाद्य पदार्थों से ही बच्चों और बड़ों के लिए संतुलित एवं पोषक तत्वों से भरपूर आहार तैयार किया जा सकता है। सुपोषण चौपाल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की महत्ता को रेखांकित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एक सशक्त और स्वस्थ समाज का निर्माण मां और बच्चे के सही पोषण पर ही निर्भर करता है। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं और धात्री माताओं को गर्भावस्था एवं स्तनपान के दौरान भोजन में पोषक तत्वों की विविधता, बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास के लिए आवश्यक खान-पान तथा कुपोषण से बचाव के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही समय पर नियमित स्वास्थ्य जांच, आवश्यक टीकाकरण और प्रसव पूर्व रखी जाने वाली सावधानियों के प्रति भी सचेत किया गया। गोद भराई की रस्म के दौरान गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक खाद्य सामग्री भेंट कर उनके और उनके होने वाले शिशु के उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की गई। अंत में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने गृह भेंट और चौपाल के जरिए पोषण और स्वास्थ्य के इन जरूरी संदेशों को विकासखंड के हर घर और परिवार तक निरंतर पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

दिव्यांगजनों और जरूरतमंद मरीजों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने संवेदनशीलता से करें कार्य : कमिश्नर डोमन सिंह

जगदलपुर। कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह ने समाज कल्याण, महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने तथा विशेष रूप से अंदरूनी एवं माओवाद प्रभावित क्षेत्रों के जरूरतमंद लोगों को प्राथमिकता के साथ लाभान्वित करने के निर्देश दिए। कमिश्नर सिंह ने जगदलपुर तथा दंतेवाड़ा में आगामी दिनों में प्रस्तावित दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण प्रदाय शिविर की तैयारियों की समीक्षा करते हुए शिविर का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अंदरूनी क्षेत्रों में निवासरत जरूरतमंद दिव्यांगजनों का प्राथमिकता के साथ चिन्हांकन किया जाए और उनकी आवश्यकता के अनुरूप कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से अबूझमाड़ क्षेत्र के दिव्यांगजनों को शिविर से लाभान्वित करने के लिए संवेदनशीलता के साथ प्रयास करने कहा। साथ ही पूर्व में वितरित किए गए कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरणों में यदि आवश्यक बदलाव अथवा सुधार की जरूरत है, तो उसका भी चिन्हांकन कर आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कमिश्नर ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में रिक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के पदों पर भर्ती प्रक्रिया नियमानुसार जल्द पूर्ण करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लक्षित बच्चों एवं महिलाओं को समेकित बाल विकास सेवाओं का लाभ पहुंचाने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे ध्यान में रखते हुए उक्त मैदानी अमले के रिक्त पदों को जल्द भरा जाए। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्रों में आवश्यक सामग्रियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। दरी, बर्तन सहित अन्य आवश्यक सामग्री की व्यवस्था के लिए ग्राम पंचायतों से सहयोग लेने कहा। वहीं अविद्युतीकृत आंगनबाड़ी केन्द्रों में विद्युतीकरण के लिए छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कमिश्नर सिंह ने मोतियाबिंद जांच एवं उपचार की स्थिति की गहन समीक्षा की। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर जरूरतमंद मरीजों का चिन्हांकन करने तथा उनके ऑपरेशन के लिए सकारात्मक प्रयास करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि माओवाद मुक्त क्षेत्रों के अंदरूनी गांवों में निवासरत मोतियाबिंद मरीजों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। साथ ही दोनों आंखों में मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों के ऑपरेशन सर्वप्रथम किए जाएं, ताकि उन्हें समय पर बेहतर दृष्टि सुविधा का लाभ मिल सके। कमिश्नर ने कहा कि मोतियाबिंद ऑपरेशन निर्धारित एसओपी के अनुरूप तथा जिला अस्पताल में उपलब्ध ऑपरेशन थिएटर एवं अन्य सुविधाओं की क्षमता के आधार पर ही किए जाएं। आवश्यकता के अनुसार रोस्टर बनाकर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल कांकेर एवं जगदलपुर तथा महारानी अस्पताल स्थित अंबक नेत्र चिकित्सालय में भी ऑपरेशन कराने के निर्देश दिए। बैठक में डिप्टी कमिश्नर गीता रायस्त, संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. महेश शांडिल्य, सीएमएचओ डॉ. संजय बसाक सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं संभाग के अन्य जिलों के संबंधित अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक में जुड़े।

स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद थीम पर आईटीबीपी कैंप में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

नारायणपुर। आयुष विभाग नारायणपुर द्वारा आईटीबीपी कैंप, नारायणपुर में स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद थीम के अंतर्गत आयुर्वेद दिवस के अवसर पर जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य आईटीबीपी के जवानों को आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान डॉ. बीना खोब्रागड़े, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी ने आईटीबीपी के जवानों को आयुर्वेद दिवस के महत्व तथा दैनिक जीवन में आयुर्वेद की उपयोगिता के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने आयुर्वेद में बताए गए त्रयोपस्तम्भ–आहार, निद्रा एवं ब्रह्मचर्य के महत्व को समझाते हुए संतुलित आहार, पर्याप्त नींद तथा अनुशासित जीवनशैली को स्वस्थ जीवन का आधार बताया। उन्होंने जवानों को नियमित दिनचर्या अपनाने एवं स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया। शिविर में डॉ. सुखी राम शिवारे, होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी द्वारा आईटीबीपी के जवानों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के उपरांत आवश्यकता के अनुसार आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक औषधियों का वितरण भी किया गया। जवानों ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में चिकित्सकों से परामर्श लिया। इस अवसर पर योग चिकित्सक डॉ. यमन साहू ने घुटने एवं जोड़ों के दर्द तथा कमर दर्द जैसी सामान्य समस्याओं से राहत के लिए उपयोगी विभिन्न योगासनों एवं योगाभ्यासों की जानकारी दी। उन्होंने स्वयं योगाभ्यास का प्रदर्शन करते हुए जवानों को सही तरीके से योग करने की विधि बताई तथा नियमित योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में राजीव गुप्ता, कमांडेंट, डॉ. सिसिल पप्पाचेन, उप सेनानी एवं चिकित्सा अधिकारी, कपिल कुमार, सहायक कमांडेंट, उप निरीक्षक/पीएच थॉमस फिलिप तथा सहायक उप निरीक्षक/मेडिक श्याम लाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन डॉ. सिसिल पप्पाचेन, उप सेनानी एवं चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया गया। आयुष विभाग द्वारा आयोजित इस शिविर के माध्यम से आईटीबीपी के जवानों को आयुर्वेद, होम्योपैथी और योग के समन्वित उपयोग से स्वस्थ एवं निरोगी जीवन जीने के प्रति जागरूक किया गया। शिविर में जवानों ने स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त करने के साथ ही योगाभ्यास एवं स्वास्थ्य परीक्षण का लाभ लिया।

प्रधानमंत्री आवास हितग्राहियों के घरों में जलाया गया आशीर्वाद का दीया

नारायणपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत नगर पालिका परिषद नारायणपुर क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के घरों पर 'आशीर्वाद का दीया' जलाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों एवं उनके परिवारों ने अपने घरों में दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार एवं शुभकामनाएं व्यक्त कीं। हितग्राहियों ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से अनेक जरूरतमंद परिवारों को पक्के आवास का लाभ मिला है, जिससे उनके जीवन में सुरक्षित और सम्मानजनक आवास का सपना साकार हुआ है। नगर पालिका नारायणपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामचंद यादव ने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र में आयोजित इस अभियान के दौरान बड़ी संख्या में हितग्राहियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के अवसर पर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों द्वारा आभार व्यक्त करना तथा सेवा एवं जनकल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाना रहा।आशीर्वाद का दीया जलाकर हितग्राहियों ने देश की प्रगति, जनकल्याण और राष्ट्रहित के कार्यों के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

न्यू प्रेस क्लब की मांग पर नारायणपुर को मिलेगा नया पत्रकार भवन शपथ ग्रहण समारोह में मंत्री केदार कश्यप की बड़ी घोषणा

नारायणपुर। नारायणपुर न्यू प्रेस क्लब के शपथ ग्रहण समारोह में पत्रकारों के लिए बड़ी सौगात की घोषणा हुई। समारोह के मुख्य अतिथि एवं छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री केदार कश्यप ने न्यू प्रेस क्लब की मांग पर मंच से ही नारायणपुर में नए पत्रकार भवन के निर्माण की घोषणा की। मंत्री की घोषणा के बाद समारोह स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि विषम परिस्थितियों और चुनौतीपूर्ण नक्सली क्षेत्र में नारायणपुर के पत्रकार जिस साहस, जिम्मेदारी और निष्पक्षता के साथ अपनी भूमिका निभा रहे हैं, वह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र के सजग प्रहरी हैं और कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी समाज और शासन के बीच संवाद कायम रखने का महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। उन्होंने पत्रकारों को आश्वस्त किया कि वे हर परिस्थिति में उनके साथ खड़े रहेंगे। मंत्री केदार कश्यप ने न्यू प्रेस क्लब की मांगों और पत्रकारों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए दो दिवंगत पत्रकार साथियों के परिवारों को यथासंभव सहायता उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों और उनके परिवारों के हितों से जुड़े विषयों पर संवेदनशीलता के साथ विचार किया जाएगा। समारोह के दौरान मंत्री केदार कश्यप ने विभिन्न क्षेत्रों में नारायणपुर जिले का नाम गौरवान्वित करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि नारायणपुर की पहचान केवल भौगोलिक या प्रशासनिक सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां की प्रतिभाएं शिक्षा, खेल, साहित्य, कला, समाजसेवा और अन्य क्षेत्रों में जिले का नाम रोशन कर रही हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात राष्ट्रगान एवं राज्य गीत प्रस्तुत किया गया। न्यू प्रेस क्लब के महासचिव डॉ. अभिषेक बेनर्जी ने स्वागत भाषण देते हुए नारायणपुर में पत्रकारिता की चुनौतियों और न्यू प्रेस क्लब की स्थापना के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला।उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित एवं भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण क्षेत्र नारायणपुर में पत्रकारिता केवल खबर लिखने का कार्य नहीं, बल्कि कई बार विपरीत परिस्थितियों के बीच सच्चाई को समाज तक पहुंचाने का साहसिक दायित्व है। न्यू प्रेस क्लब की स्थापना पत्रकारों के बीच एकता, गरिमा, सुरक्षा, सहयोग और पत्रकारिता के मूल्यों को मजबूत करने के उद्देश्य से की गई है।

न्यू प्रेस क्लब के नवनियुक्त अध्यक्ष सुनील सिंह राठौर ने कहा कि पत्रकारों की एकजुटता, निष्पक्षता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता ही क्लब की प्राथमिकता होगी। उन्होंने सभी पत्रकार साथियों का आह्वान करते हुए कहा कि हम आपसी समन्वय और भाईचारे के साथ पत्रकारिता की गरिमा को और मजबूत करें तथा शासन-प्रशासन से अपेक्षा है कि पत्रकारों की समस्याओं और सुरक्षा से जुड़े विषयों पर संवेदनशीलता के साथ सहयोग प्रदान किया जाए। नवनियुक्त अध्यक्ष के लिए समारोह का दिन दोहरी खुशी लेकर आया। आज ही उनका जन्मदिन भी था और इसी अवसर पर उन्होंने न्यू प्रेस क्लब के अध्यक्ष पद की शपथ ली।

मंत्री ने दिलाई पत्रकारों को शपथ

समारोह का प्रमुख आकर्षण न्यू प्रेस क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का शपथ ग्रहण रहा। मुख्य अतिथि मंत्री केदार कश्यप ने न्यू प्रेस क्लब के पत्रकारों को शपथ दिलाई। पत्रकारों ने लोकतांत्रिक मूल्यों, निष्पक्ष पत्रकारिता, जनहित और पत्रकारिता की गरिमा को बनाए रखने के संकल्प के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की शपथ ली।

किरंदुल के शीतला मंदिर प्रांगण में हुई भव्य महा आरती, बड़ी संख्या में शामिल हुए नगरवासी

किरंदुल। टाइप 03 टी.एस. फुटबॉल ग्राउंड स्थित माता शीतला मंदिर प्रांगण में स्थापित गणपति बप्पा की भव्य महा आरती में बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर श्री शीतला माता मंदिर समिति द्वारा महा आरती का आयोजन किया गया। ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों के बीच पूरे प्रांगण में गणपति बप्पा मोरया के जयकारे गूंजते रहे। महा आरती में नगर के नागरिक, महिलाएं, युवा और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने बप्पा से नगर की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। आरती के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

किरंदुल में सेवा संकल्प अभियान : स्कूली बच्चों ने पेंटिंग और भाषण से दिखाया विकसित भारत 2047 का सपना

किरंदुल। सेवा संकल्प अभियान के तहत किरंदुल ब्लॉक के सभी स्कूलों में विद्यार्थियों ने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पेंटिंग और भाषण के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसी क्रम में स्वामी आत्मानंद शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कोड़ेनार नंबर 2 में 'मेरे सपनों का भारत' विषय पर चित्र सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व जनपद पंचायत उपाध्यक्ष भावना सक्सेना ने सेवा संकल्प अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सेवा की शुरुआत की और उसके बाद से लगातार प्रधानमंत्री के रूप में देशहित में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके 25 वर्ष सुशासन के पूरे हो रहे हैं और लगातार जनकल्याणकारी योजनाओं से देश विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने पेंटिंग और भाषण के माध्यम से विकसित भारत के लक्ष्य को दर्शाया।

डमरू के पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण की पहलः कलेक्टर ने लिया स्थल का जायजा

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिले के प्राचीन एवं ऐतिहासिक ग्राम डमरू को पुरातात्विक पहचान दिलाने और इसकी अनमोल धरोहरों के संरक्षण के लिए जिला प्रशासन ने बड़ी पहल की है। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने ग्राम डमरू पहुंचकर पुरातात्विक स्थलों और प्राचीन मंदिरों का विस्तृत अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को पुरातात्विक अवशेषों के सुव्यवस्थित संरक्षण तथा उत्खनन कार्य पुनः शुरू कराने के प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिए। साथ ही, ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए शिव मंदिर से मुक्तिधाम तक सड़क निर्माण की तत्काल स्वीकृति प्रदान की। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने भ्रमण के दौरान सबसे पहले गांव में स्थित प्राचीन शिव मंदिर एवं महामाया मंदिर में माता का दर्शन व पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात उन्होंने मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन शिलाओं तथा पुरातत्व विभाग द्वारा कमरे में सुरक्षित रखे गए पुरातात्विक अवशेषों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने इन बहुमूल्य ऐतिहासिक संपदाओं को सुरक्षित रखने के लिए विभाग को प्रस्ताव प्रेषित करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर ने छत्तीसगढ़ संस्कृति एवं पुरातत्व संचालनालय द्वारा मंदिर के पास पूर्व में उत्खनित किए गए दो टीलों का भी जायजा लिया। ग्राम डमरू को एक प्रमुख प्राचीन एवं ऐतिहासिक धरोहर के रूप में स्थापित करने के लिए उन्होंने इन टीलों का उत्खनन कार्य पुनः शुरू कराने पर जोर दिया और इस संबंध में आवश्यक विभागीय पहल करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने स्थानीय ग्रामीणों से सीधे बातचीत कर जानकारी ली और उन्हें शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान ग्रामीणों ने शिव मंदिर से मुक्तिधाम तक पहुंच मार्ग न होने की समस्या बताते हुए पक्की सड़क निर्माण की मांग रखी। ग्रामीणों की आवश्यकता को देखते हुए कलेक्टर ने मौके पर ही सड़क निर्माण की स्वीकृति दी और अधिकारियों को इसका प्राक्कलन शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने गांव के मुख्य मुक्ति धाम पर निर्माणाधीन शेड निर्माण का भी जायजा लिया और समय पर निर्माण पूरा करने के निर्देश दिये। ज्ञातव्य है कि जिला मुख्यालय बलौदाबाजार से करीब 14 किलोमीटर दूर शिवनाथ नदी के तट पर स्थित ग्राम डमरू एक अत्यंत महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थल है। यहाँ छत्तीसगढ़ संस्कृति एवं पुरातत्व संचालनालय द्वारा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की अनुमति से डॉ. शिवकांत बाजपेयी के निर्देशन में वर्ष 2013 से 2015 के दौरान दो टीलों का उत्खनन किया गया। पुरातात्विक खुदाई के दौरान पहली बार भगवान बुद्ध के चरणों का चिन्ह मिला। यह चिन्ह मध्य भारत में पहली बार मिला है। भगवान बुद्ध के पद चिन्ह मिलना इस बात का प्रमाण है कि पहली से पांचवीं सदी के बीच डमरू हीनयान समुदाय का प्रमुख केंद्र रहा होगा। यहां महामाया मंदिर परिसर मे प्रस्तर निर्मित चबूतरे पर शिव मंदिर स्थित है। यह स्मारक पूर्वाभिमुखी है। यह जर्जर स्थिति में था जिसे वर्ष 2012-13 में विभाग द्वारा रिसेटिंग का कार्य कराया गया है। इसमें आमलक नहीं है और इसका गर्भगृह नदी सिर विहीन मंदिर के पीछे एवं जलधारी (योनिपीठ) मंदिर के पास रखे है। इस मंदिर के अतिरिक्त परिसर में दो लघु टीले सामने विद्यमान है। पूर्व में इस स्थल पर उत्खनित त्रिविक्रम, विष्णु, सूर्य, शिव, ब्रम्हा, मय, चामुण्डा, पार्वती, अम्बिका, चवरधारिणी की प्रतिमाएं और कुछ मिथुन प्रतिमाएं शिव मंदिर परिसर में ही नव निर्मित महामाया देवी मंदिर के भित्तीयों मे जड़ी हुई हैयह प्राचीन मंदिर कलचूरीकालीन (काल लगभग 12 शति ईस्वी) है जो समकालीन वास्तु शिल्प एवं मूर्तिविधा का अच्छा उदाहरण है।

मुस्कुराते दिव्यांश के साथ खेलकर खिले सार्थक के विशेष बच्चों के चेहरे

धमतरी। मानसिक दिव्यांग प्रशिक्षण एवं सेवा केंद्र सार्थक स्कूल में प्रेम, अपनापन और खुशियों से भरा वातावरण देखने को मिला। धमतरी के यशवंत रघाटाटे एवं हेमलता रघाटाटे अपने बेटे निखिल, बहू सुरभि एवं एक वर्षीय पोते दिव्यांश के साथ विशेष बच्चों को भोजन कराने सार्थक स्कूल पहुंचे। अतिथियों के आगमन पर बच्चों ने मधुर स्वागत गीत प्रस्तुत कर उनका आत्मीय स्वागत किया। बच्चों की सुंदर प्रस्तुति से स्कूल का वातावरण खुशी और अपनत्व से भर गया। इस अवसर पर एक वर्षीय नन्हा दिव्यांश मुस्कुराते हुए सार्थक के विशेष बच्चों के पास जा रहा था। बच्चे भी उसके साथ खेलकर बेहद प्रसन्न हो रहे थे। दिव्यांश की मासूम मुस्कान और बच्चों के साथ उसकी सहज घुल.मिल जाने की भावना ने सभी का मन मोह लिया। बच्चों और नन्हे दिव्यांश के बीच का यह स्नेहपूर्ण जुड़ाव कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रहा। रघाटाटे परिवार ने सभी विशेष बच्चों को अपने हाथों से स्वादिष्ट भोजन परोसकर खिलाया। भोजन के साथ मिठाई भी खिलाई गई। परिवार ने बच्चों के साथ केक काटकर खुशियां साझा कीं और उन्हें अपने हाथों से केक खिलाया। बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। बच्चों के लिए यह अवसर केवल भोजन तक सीमित नहीं था, बल्कि प्रेम, अपनत्व और सामाजिक सहभागिता का सुंदर अनुभव भी बना। अतिथियों के साथ बैठकर भोजन करना, अपनी बारी का इंतजार करना और मिल-जुलकर खाना बच्चों के सामाजिक एवं व्यवहारिक विकास में सहायक होता है। जिन बच्चों को भोजन करने में सहायता की आवश्यकता होती है, उन्हें सहयोग मिलने से उनकी सहभागिता और आत्मविश्वास को प्रोत्साहन मिलता है। रघाटाटे परिवार ने सभी विशेष बच्चों को नोटबुक एवं पेन उपहारस्वरूप प्रदान किए, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस दौरान रघाटाटे परिवार एवं समाजसेवी वंदना शर्मा ने मधुर भजन प्रस्तुत किया। भजन के दौरान बच्चों सहित उपस्थित सभी लोगों ने तालियों के साथ उत्साहपूर्वक सहभागिता की। संगीत और सामूहिक सहभागिता से कार्यक्रम का वातावरण और भी आनंदमय हो गया। दिव्यांश के प्रथम जन्मदिन के अवसर पर परिवार ने बच्चों के साथ खुशियां साझा कीं। नन्हे दिव्यांश की मुस्कान, बच्चों के साथ उसका खेलना और परिवार का स्नेहपूर्ण व्यवहार पूरे कार्यक्रम को यादगार बना गया। अतिथियों ने सार्थक स्कूल में विशेष बच्चों को शिक्षा के साथ प्रेम, संस्कार, सामाजिक व्यवहार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की। बच्चों के साथ समय बिताकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। सार्थक स्कूल की अध्यक्ष डॉ सरिता दोशी एवं सचिव स्नेहा राठौड़ ने रघाटाटे परिवार और समाजसेवी वंदना शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विशेष बच्चों के साथ समय बिताना उन्हें स्नेह देना और उनकी खुशियों में सहभागी बनना समाज की संवेदनशीलता एवं समावेशी भावना को मजबूत करता है। कार्यक्रम में प्रशिक्षक मैथिली गोड़े, देविका दीवान, कौशिल्या यादव, काजल रजक, सुनैना गोड़े तथा पालक प्रेमबती साहू, सविता शेख एवं शकुंतला सोनी उपस्थित रहे।

कलेक्टर के निर्देश पर बुजुर्ग द्वारिका प्रसाद को तत्काल मिला नजर का चश्मा

बलौदाबाजार। ग्राम डमरू निवासी द्वारिका प्रसाद को तत्काल नजर का चश्मा उपलब्ध कराया गया। कलेक्टर शर्मा ग्राम डमरू स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर के निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने पहुंचे थे। इसी दौरान ग्रामीण बुजुर्ग द्वारिका प्रसाद ने कलेक्टर से आंखों से संबंधित अपनी समस्या साझा करते हुए चश्मे की आवश्यकता बताई। कलेक्टर ने ग्रामीण की समस्या को गंभीरता से लेते हुए संबंधित स्वास्थ्य अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देश के तत्काल बाद स्वास्थ्य विभाग द्वारा द्वारिका प्रसाद की आंखों की जांच कर उन्हें नजर का चश्मा उपलब्ध कराया गया। चश्मा मिलने पर द्वारिका प्रसाद ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि अपनी समस्या बताने के बाद इतनी जल्दी चश्मा मिल जाने से अब उन्हें दैनिक कार्यों में काफी सुविधा होगी। जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को ग्रामीणों तक सहज और त्वरित रूप से पहुंचाने के साथ ही उनकी समस्याओं के तत्काल निराकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

करही बाजार में चैंबर ऑफ कॉमर्स का विदाई एवं स्वागत समारोह संपन्न

बलौदाबाजार। चैंबर ऑफ कॉमर्स इकाई, करही बाजार द्वारा आयोजित विदाई एवं स्वागत समारोह शनिवार को समरसता भवन, करही बाजार में गरिमामय माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समारोह की अध्यक्षता चैंबर ऑफ कॉमर्स इकाई के अध्यक्ष रघुबर प्रसाद केशरवानी ने की। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष (चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, छत्तीसगढ़) चंद छाबड़िया, बलौदा बाजार चैंबर ऑफ कॉमर्स के भूतपूर्व अध्यक्ष जुगल किशोर भट्टर, बलौदा बाजार चैंबर के अध्यक्ष लक्ष्मी साहू तथा भाटापारा चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष गुरमुख गंगवानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में पूर्व अध्यक्ष कृष्णा केसरवानी एवं उनकी कार्यकारिणी टीम को उनके सफल कार्यकाल और व्यापारिक हित में दिए गए योगदान के लिए ससम्मान विदाई दी गई। वहीं, नवनिर्वाचित अध्यक्ष रघुबर प्रसाद केशरवानी एवं उनकी नई कार्यकारिणी टीम का आत्मीय अभिनंदन व स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान बलौदा बाजार के अध्यक्ष लक्ष्मी साहू ने व्यापारियों को संगठित रहने और व्यापारिक समस्याओं के शीघ्र निराकरण के लिए सीधे कलेक्टर तथा वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क करने की सलाह दी। जुगल भटटर ने अपने उदबोधन में व्यापारियों को संगठन की मजबूती और खुलकर व्यापार करने हेतु प्रेरित किया गया अन्य विशिष्ट अतिथियों ने भी व्यापारिक एकजुटता और स्थानीय समस्याओं पर अपने विचार रखे।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी की सूची

समारोह के दौरान करही बाजार चैंबर ऑफ कॉमर्स की नवीन पदस्थापना एवं कार्यकारिणी सदस्यों के नामों की आधिकारिक घोषणा की गई। अध्यक्ष रघुबर प्रसाद केशरवानी, उपाध्यक्ष सुनील पटेल, यशवंत देवांगन, सचिव मोतीराम देवांगन, कोषाध्यक्ष बसंत देवांगन, अनिल देवांगन, सह-सचिव कृष्णदास मानिकपुरी, रामनारायण यादव, कार्यकारिणी सदस्य हेमंत देवांगन, पुनीतराम वर्मा, रामरिझवन चौहान, शारदाराम, रमाशंकर पटेल, हीरानाम पटेल, रामप्यारे निषाद, लिलकूरम सेन, दीनदयाल देवांगन, मनोज तिवारी, विशेष आमंत्रित सदस्य सियाराम चौधरी, कृष्णा केशरवानी, मुकेश केशरवानी, राजकुमार पटेल, श्रवण देवांगन, विकास केशरवानी, आयोजन को सफल बनाने में मोतीलाल देवांगन और मुकेश केसरवानी का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम में स्थानीय व्यापारी, चैंबर के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। अंत में आयोजकों द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया।

विकसित भारत की परिकल्पना को विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता से किया साकार : मोनिका

धमतरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेरे सपनों का भारत-विकसित भारत 2047 के विजन पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शंकरदह में सेवा-चित्र कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता मोनिका ऋषभ देवांगन, सभापति जिला पंचायत धमतरी ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उनके रचनात्मक प्रयासों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगोली, चित्रकला, पेंटिंग एवं भाषण के माध्यम से अपने सपनों के भारत की कल्पना को जीवंत रूप दिया। स्वच्छ एवं हरित भारत, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, सौर ऊर्जा, डिजिटल इंडियाए, नशा मुक्त भारत, मेक इन इंडिया, भारतीय सैनिकों का शौर्य, आतंकवाद एवं नक्सलवाद मुक्त भारत, सेवा भावना तथा राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर विद्यार्थियों ने अपनी सोच और प्रतिभा को रचनात्मक अभिव्यक्ति दी। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मोनिका ऋषभ देवांगन ने कहा कि विकसित भारत 2047 केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवा पीढ़ी के संकल्प और सहभागिता से साकार होने वाला राष्ट्रीय स्वप्न है। आज के विद्यार्थी ही कल के भारत के नेतृत्वकर्ता होंगे। इसलिए उनमें शिक्षा के साथ संस्कार, कौशल, नवाचार, सेवा भावना और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विद्यालय केवल पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा, रचनात्मकता, संवेदनशीलता और राष्ट्रभावना को पहचानने तथा उसे निखारने का सशक्त मंच है। सेवा-चित्र जैसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी कल्पनाओं को अभिव्यक्त करने के साथ.साथ सामाजिक सरोकारों और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि किसी चित्र में जल संरक्षण की चिंता दिखाई दीए किसी रंगोली में स्वच्छता का संदेश नजर आयाए तो किसी भाषण में देश के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना देखने को मिली। यह इस बात का प्रमाण है कि हमारे बच्चों के भीतर प्रतिभा और विचारों की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल उन्हें उचित अवसर, प्रोत्साहन और मंच प्रदान करने की है। देवांगन ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आज के छोटे-छोटे रचनात्मक प्रयास ही आने वाले समय में जिम्मेदार नागरिकों और सशक्त राष्ट्र की नींव तैयार करेंगे। जब शिक्षा के साथ सेवा का संस्कार, ज्ञान के साथ कौशल और प्रतिभा के साथ राष्ट्रभाव जुड़ता है।

सामाजिक एकता और विकास के लिए मिलकर आगे बढ़ना जरूरी : रंजना साहू

धमतरी। धमतरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हंकारा में साहू समाज भवन परिसर में शेड निर्माण कार्य का भूमिपूजन मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी पूर्व विधायक रंजना डीपेन्द्र साहू के करकमलों से विधिवत वैदिक उच्चारणों के साथ पूजा अर्चना से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य धनेश्वरी साहू, पूर्व जनपद सदस्य जागेश्वरी साहू सहित साहू समाज के पदाधिकारी, ग्रामीण वरिष्ठजन, मातृशक्ति, युवा एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। भूमिपूजन के पश्चात मंचीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रंजना डीपेन्द्र साहू ने कहा कि समाज भवन किसी भी समाज की सामाजिक गतिविधियों का प्रमुख केंद्र होता है, यहां होने वाले धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक कार्यक्रम समाज को एकजुट करने का कार्य करते हैं। शेड निर्माण से समाजजनों को कार्यक्रमों के आयोजन में सुविधाएं मिलेंगी और भवन का बेहतर उपयोग हो सकेगा। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति केवल संसाधनों से नहीं, बल्कि समाजजनों की एकजुटता, सहभागिता और आपसी सहयोग से होती है। साहू समाज हमेशा सामाजिक समरसता, सेवा और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ता रहा है। उन्होंने निर्माण कार्य के लिए समाजजनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी के सहयोग से यह भवन आने वाले समय में सामाजिक गतिविधियों का सशक्त केंद्र बनेगा। रंजना साहू ने आगे कहा कि गांव और समाज का विकास तभी सार्थक होता है, जब विकास कार्यों में जनभागीदारी और सामाजिक सहयोग जुड़ा हो। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर विकास की दिशा में निरंतर कार्य करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने शेड निर्माण कार्य के लिए साहू समाज के सभी सदस्यों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। वहीं जिला पंचायत सदस्य धनेश्वरी साहू ने कहा कि ग्राम हंकारा में साहू समाज भवन के शेड निर्माण की शुरुआत समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण पहल है। इससे सामाजिक आयोजनों में आने वाले लोगों को सुविधा मिलेगी तथा विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन के लिए अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होगा। कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का आभार ग्राम पंचायत सरपंच डिगेश्वरी साहू ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपसरपंच अरमान खान, अश्वनी शर्मा, संरक्षक तोपसिंह साहू, अध्यक्ष महेंद्र साहू, उपाध्यक्ष ओम प्रकाश साहू, सचिव मोहनलाल साहू, सह सचिव प्रहलाद साहू, कोषाध्यक्ष मुरली राम साहू, अंकेक्षक दशरथ साहू, गोरखनाथ साहू, राम चरण साहू, लीलाराम साहू, भगत राम साहू, राधेश्याम साहू, आनंदराम साहू, प्रेमीन साहू, प्रमिला साहू, बलभद्र साहू, जगत राम साहू, चित्रसेन साहू, सीताराम साहू, व्यास नारायण साहू, सोमनाथ साहू, धीरेंद्र साहू, गिरजा शंकर साहू, यशवंत साहू, कलीराम साहू, पुनीत राम साहू, परमेश्वर साहू सहित बड़ी संख्या में सामाजिक बंधुजन व मातृशक्तियां उपस्थित रहे।

गंगरेल मंडल के सभी ग्राम पंचायतों में जले आशीर्वाद के दीये

धमतरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस एवं उनके 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न सेवा एवं जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी गंगरेल मंडल के अंतर्गत 17 सितंबर को आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का व्यापक आयोजन किया गया। गंगरेल मंडल की सभी ग्राम पंचायतों में आयोजित इस कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारियों, कार्यक्रम प्रभारियों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम केवल एक स्थान तक सीमित न रहकर लाभार्थियों के घरों, शाला भवनों, आंगनबाड़ी केंद्रों, सहकारी समितियों, अटल चौक, मंदिरों तथा विभिन्न सार्वजनिक स्थलों तक पहुंचा। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थी परिवारों के घर पहुंचकर उनके साथ दीप प्रज्वलित किया गया। साथ ही ग्राम स्तर पर सामूहिक रूप से भी दीप जलाए गए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल जीवन की कामना करते हुए उनके प्रति शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद व्यक्त किया गया।

रुद्री में हुआ जिला स्तरीय वृहद आयोजन

गंगरेल मंडल के ग्राम रुद्री स्थित रुद्रेश्वर महादेव मंदिर के समीप आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के अंतर्गत जिला स्तरीय वृहद आयोजन भी किया गया। यहां कुरूद विधायक अजय चंद्राकर, महापौर रामू रोहरा, प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू, कलेक्टर अविनाश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में शासकीय अधिकारी कर्मचारी एवं कार्यकर्ताओं एवं आमजनों ने सहभागिता करते हुए दीप प्रज्वलित किए। इसी प्रकार ग्राम गंगरेल स्थित अंगारमोती मंदिर में भी आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम आयोजित किया गया। धार्मिक एवं आस्था के इस प्रमुख स्थल पर श्रद्धालुओं एवं कार्यकर्ताओं ने दीप प्रज्वलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की। अछोटा, भटगांव, सोरम एवं सोसायटी परिसर सहित विभिन्न स्थानों पर भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त गंगरेल मंडल की सभी ग्राम पंचायतों में अटल चौक एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

आशीर्वाद का दीया सेवा और जनसहभागिता का प्रतीक : मोनिका देवांगन

इस अवसर पर भाजपा गंगरेल मंडल अध्यक्ष मोनिका ऋषभ देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस एवं उनके 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन के अवसर पर आयोजित आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों ने अपनी शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर विकास और जनकल्याण की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके स्वस्थ, सुखी एवं दीर्घायु जीवन की कामना की और कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र की अग्रिम पंक्ति में स्थापित होए यही देशवासियों की कामना है। देवांगन ने कहा कि आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को सेवा एवं जनसहभागिता के साथ जोड़ना है। लाभार्थी परिवारों के घरों से लेकर विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, सहकारी समितियों, मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों तक दीप प्रज्वलन के माध्यम से कार्यक्रम ने व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विभिन्न ग्राम पंचायतों एवं कार्यक्रम स्थलों पर उपस्थित श्यामा नरेश साहू, अंगिरा ध्रुव, ऋषभ देवांगन, अनीता ध्रुव, चंद्रहास जैन, हेमंत साहू, पार्वती साहू, मुकेश यादव, जयंती ध्रुव, बुद्धेश्वर कंवर, उमेंद्र सिन्हा, धर्मराज सिंह, नरेश यादव, कचरू राम नेताम, बालकृष्ण निषाद, रमेश निषाद, अहमद खान, टिकेश्वरी साहू, सोहन यादव, गोरखनाथ सिन्हा, फागू राम साहू, सोहन राम मांडवी, राजकुमार नेताम, रूपाली ध्रुव, ज्योति सोनकर, श्यामू सोनकर, यशवंत सोनकर, हरिशचंद्र चक्रधारी, पवित्रा दीवान, मकसूदन यादव, कीर्तन साहू, शीला, सविता, लक्ष्मी बया एवं प्रसून शुक्ला सहित विभिन्न कार्यक्रम प्रभारी, अतिथिगण एवं भाजपा कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भाजपा गंगरेल मंडल की ओर से सभी कार्यक्रम प्रभारियों, अतिथियों, मंडल पदाधिकारियों, शक्ति केंद्र संयोजकों एवं सह-संयोजकों, सरपंच एवं बूथ अध्यक्षों, कार्यकर्ताओं तथा सभी लाभार्थी परिवारों के प्रति आभार व्यक्त किया गया जिनकी सहभागिता से गंगरेल मंडल की प्रत्येक ग्राम पंचायत में आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सेवा, समर्पण और जनसहभागिता के संदेश के साथ गंगरेल मंडल में जलाए गए इन दीपों ने सेवा संकल्प अभियान को ग्राम स्तर तक पहुंचाने का कार्य किया।

सीएसपीडीसीएल ने चलाया सघन बिजली जांच अभियान
86 अवैध कनेक्शनधारियों पर होगी कार्रवाई

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार विद्युत संभाग के तीनों उपसंभाग बलौदाबाजार, पलारी और लवन के अंतर्गत आने वाले 10 वितरण केन्द्रों में सीएसपीडीसीएल द्वारा सघन जाँच अभियान चलाया गया। बलौदाबाजार विद्युत संभाग के कुल 176 कनेक्शनों का जाँच किया गया जिनमें से 86 कनेक्शनों में अनाधिकृत रूप से विद्युत का उपयोग विद्युत चोरी करते हुए पाया गया। इन उपभोक्ताओं को विद्युत अधिनियम की धारा 135 एवं 138 के तहत थाने में अपराध दर्ज करने हेतु प्रस्तुत किया जायेगा। जाँच हेतु मुख्य अभियंता ए.के. लखेरा के निर्देशानुसार बलौदाबाजार वृत्त के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा 17 टीम का गठन कर जाँच अभियान चलाया गया। यह जाँच विशेषकर ऐसे उपभोक्ताओं के कनेक्शनों को चेक करने के लिए था जिनका कनेक्शन पूर्व में ऑनलाईन डिस्कनेक्शन, रिमोट डिस्कनेक्शन के माध्यम से काटा गया था क्योंकि उनके द्वारा बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया था। इस संबंध में

अधीक्षण अभियंता (वृत्त) जी.पी.अनंत ने बताया कि इस तरह के अभियान जारी रहेंगें। इसलिए उन्होने उपभोक्ताओं से अनुरोध किया कि मीटर के माध्यम से विद्युत का उपयोग करें एवं हर महिनें विद्युत बिल का समय पर भुगतान करें। अधीक्षण अभियंता ने यह भी बताया कि सभी शासकीय एवं निजी विद्युत कनेक्शनों में बकाया रहने पर रिमोट पद्धति, आनलाईन डिस्कनेक्शन किया जा रहा है। वर्तमान में स्कूलों, आश्रम शाला और हॉस्टलों में जिला प्रशासन के निर्देषानुसार उन्हें डिसकनेक्ट नहीं किया जा रहा है। अन्य सभी कनेक्शन बकाया होने पर विच्छेदित किये जायेंगें।

बच्चों को जरूर सिखाएं बाप्पा के ये गुण

गणेश उत्सव का पावन समय चल रहा है। चारों तरफ बप्पा के जयकारे गूंज रहे हैं, पंडाल सजे हैं और घरों में भी विघ्नहर्ता की स्थापना की गई है। हम सभी गणपति की पूजा-अर्चना करते हैं, उन्हें मोदक का भोग लगाते हैं और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं। लेकिन क्या कभी हमने सोचा है कि गणेश सिर्फ पूजा के विधान तक ही सीमित नहीं हैं? गणेश जी का पूरा स्वरूप और उनका जीवन बच्चों के लिए एक ऐसी खुली किताब है, जिसमें सफलता और अच्छे चरित्र के कई बड़े पाठ छिपे हैं। अगर हम इस गणेशोत्सव सिर्फ औपचारिकता निभाने के बजाय बच्चों को बप्पा के जीवन से जुड़े कुछ खास गुण सिखा दें, तो वे जीवन की हर मुश्किल से आसानी से पार पा सकते हैं। आइए जानते हैं 5 अहम गुण, जो बच्चों को मजबूत और सफल इंसान बनाएंगे।

गणेश जी का सिर विशाल है, जो यह सिखाता है कि हमेशा बड़ा सोचो और अपने ज्ञान का दायरा बढ़ाओ।

बच्चों के लिए सीख : बच्चों को यह समझाएं कि केवलता रट्टा लगाने यातायिता नंबर लाने से कुछ नहीं होता। असली ताकत विवेक में है। उन्हें हर बात के 'क्यों' और 'कैसे' को समझने की आदत डालनी चाहिए, ताकि वे जीवन के कठिन फैसलों में सही और गलत का चुनाव आसानी से कर सकें। गणेश जी के कान बहुत बड़े हैं। इसका प्रतीकात्मक अर्थ यह है कि एक समझदार इंसान वही है जो दूसरों की बात को बहुत ध्यान से सुने।

बच्चों के लिए सीख : आज के समय में बच्चे अपनी बात कहना तो चाहते हैं, लेकिन दूसरों को सुनना नहीं चाहते। बाप्पा के बड़े कान बच्चों को यह सिखाते हैं कि पहले सबकी सुनो, समझो और फिर सोच-समझकर बोलो। जो बच्चा अच्छा श्रोता बनता है, वही भविष्य का एक अच्छा लीडर बनता है। गणेश जी को 'विघ्नहर्ता' यानी सभी बाधाओं को हरने वाला कहा जाता है। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि उनके जीवन में मुश्किलें नहीं थीं। उन्होंने भी कई संकटों का सामना किया।

बच्चों के लिए सीख : बच्चों को यह बताना बहुत जरूरी है कि जीवन में असफलताएं और परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन इनसे डरकर रुकना नहीं है। बप्पा की तरह हर मुश्किल का डटकर सामना करना है और अपनी हिम्मत से हर बाधा को पार करना है।

गणेश जी का शरीर भले ही विशाल है, लेकिन उनकी आंखें बहुत छोटी और तीखी हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि इंसान का ध्यान हमेशा अपने लक्ष्य पर होना चाहिए।

बच्चों के लिए सीख : पढ़ाई हो, खेल हो या जीवन का कोई अन्य क्षेत्र, एकाग्रता (Focus) ही सफलता की चाबी है। बच्चों को सिखाएं कि जब वे कोई काम करें, तो उनका पूरा ध्यान उसी पर होना चाहिए, ठीक वैसे ही जैसे अर्जुन का ध्यान चिड़िया की आंख पर था। गणेश जी का मुंह छोटा है, जिसका अर्थ है कि कम बोलें और जरूरत के हिसाब से बोलें। इसके अलावा, उन्होंने अपने माता-पिता (शिव-पार्वती) की परिक्रमा करके उन्हें ही अपना पूरा संसार मान लिया था।

खुशहाल घर और खुशहाल जीवन के 10 सरल उपाय

एक खुशहाल घर ईंट-पत्थरों से नहीं, बल्कि उसमें रहने वाले लोगों के बीच के सामंजस्य, प्रेम और सकारात्मक ऊर्जा से बनता है। इसके लिए आपको घर के वास्तु पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। यदि आप भी अपने घर में तनावग्रस्त रहते हैं, या कलह निरंतर बनी रहती है तो अपने जीवन और घर को खुशहाल बनाने के लिए आप वास्तुनुसार छोटे-छोटे बदलाव करके तथा वास्तु सलाह पर ध्यान देकर घर में खुशहाली ला सकते हैं।

आइए यहां जानते हैं घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने के लिए 10 वास्तु टिप्स...

1. मुख्य द्वार पर 'स्वास्तिक' और 'ॐ':
घर के मुख्य दरवाजे पर सिंदूर से स्वास्तिक या ॐ का चिन्ह बनाएं। यह नकारात्मक ऊर्जा को घर में प्रवेश करने से रोकता है और शुभता लाता है।

2. ईशान कोण (North-East) को रखें खाली:
घर के उत्तर-पूर्वी कोने को देवताओं का स्थान माना जाता है। यहां कभी भी भारी सामान या कबाड़ न रखें। इस जगह को हमेशा साफ-सुथरा और खुला रखें।

3. नमक के पानी का पोंछा:
हफ्ते में कम से कम दो बार पानी में थोड़ा समुद्री नमक मिलाकर पोंछा लगाएं। यह घर की नकारात्मक तरंगों को सोख लेता है और सकारात्मकता बढ़ाता है।

4. ईशान कोण में जल का पात्र:
घर की उत्तर-पूर्व दिशा में एक तांबे के लोटे में पानी भरकर रखें। इसे रोज बदलें। यह घर में सुख और शांति का संचार करता है।

5. किचन में 'अग्नि' और 'जल' की दूरी:
वास्तु के अनुसार चूल्हा यानी अग्नि और पानी का सिंक एक-दूसरे के बगल में नहीं होने चाहिए। इनके बीच कम से कम 2-3 फीट की दूरी रखें या बीच में कोई लकड़ी का बोर्ड रख दें।

6. शाम को जलाएं कपूर:
रोजाना शाम के समय घर में कपूर जलाकर पूरे घर में उसका धुआं दिखाएं। इससे घर के सूक्ष्म वास्तु दोष दूर होते हैं और वातावरण शुद्ध होता है।

7. टूटी-फूटी चीजें तुरंत हटाएं:
घर में बंद घड़ी, टूटा हुआ कांच, या दरार वाले बर्तन न रखें। ये चीजें विकास में बाधा डालती हैं और घर में दरिद्रता लाती हैं।

8. जूते-चप्पल की सही जगह:
मुख्य द्वार के ठीक सामने कभी भी जूते-चप्पल का ढेर न लगाएं। इसे हमेशा साइड में या रैक के अंदर रखें, ताकि घर में आने वाली सकारात्मक ऊर्जा का रास्ता न रुके।

9. बेडरूम में आईना न हो:
सोते समय आईने में आपका शरीर नहीं दिखना चाहिए। अगर बेडरूम में आईना है, तो रात को उसे किसी कपड़े से ढक दें। इससे मानसिक तनाव कम होता है और वैवाहिक जीवन सुखद रहता है।

10. सकारात्मक पौधों का चुनाव:
घर में मनी प्लांट, तुलसी या एलोवेरा जैसे पौधे लगाएं। कांटेदार पौधे (जैसे कैक्टस) घर के अंदर लगाने से बचें, क्योंकि ये रिश्तों में कड़वाहट ला सकते हैं।

बार-बार फैल जाती है लिपस्टिक? अपनाएं ये आसान ट्रिक्स

बारिश के मौसम में मेकअप करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। नमी और पसीने की वजह से मेकअप जल्दी खराब होने लगता है। इसका असर लिपस्टिक पर भी पड़ता है। कई बार लिपस्टिक होंठों से बाहर फैल जाती है या कुछ ही समय में हल्की पड़ने लगती है। अगर आप भी मानसून में लिपस्टिक को लंबे समय तक सही रखना चाहती हैं, तो इसे लगाने से पहले कुछ छोटी बातों का ध्यान रखें। इन आसान ट्रिक्स से लिपस्टिक ज्यादा देर तक टिकी रह सकती है।

पहले होंठों को करें तैयार
अगर होंठ सूखे या फटे हैं, तो लिपस्टिक ठीक से नहीं लगेगी। इसलिए लिपस्टिक लगाने से पहले होंठों को हल्के हाथ से साफ करें और थोड़ा लिप बाम लगाएं। बहुत ज्यादा बाम लगाने से बचें, क्योंकि इससे लिपस्टिक जल्दी फैल सकती है।

मैट लिपस्टिक चुनें
बारिश के मौसम में बहुत ज्यादा क्रीमी या ग्लॉसी लिपस्टिक जल्दी फैल सकती है। इसलिए मैट और लंबे समय तक टिकने वाली लिपस्टिक चुनना बेहतर रहेगा।

लिप लाइनर का इस्तेमाल करें
लिपस्टिक लगाने से पहले लिप लाइनर से होंठों की आउटलाइन बनाएं। चाहें तो हल्का-सा पूरे होंठों पर भी लाइनर लगा सकती हैं। इससे लिपस्टिक को एक बेस मिलेगा और उसके बाहर फैलने का खतरा कम होगा।

टिश्यू से एक्स्ट्रा लिपस्टिक हटाएं
लिपस्टिक लगाने के बाद एक टिश्यू होंठों के बीच रखकर हल्के से दबाएं। इससे अतिरिक्त लिपस्टिक निकल जाएगी। इसके बाद हल्का पाउडर लगाकर लिपस्टिक का एक और पतला कोट लगाया जा सकता है। इससे लिपस्टिक ज्यादा देर तक टिकी रह सकती है।

होंठों पर बार-बार हाथ न लगाएं
लिपस्टिक लगाने के बाद बार-बार होंठों को छूने या रगड़ने से बचें। ऐसा करने से लिपस्टिक जल्दी फैल सकती है। अगर खाना या कुछ पीना हो, तो बाद में लिपस्टिक को हल्का टचअप कर लें।

आज का राशिफल

मेष राशि - मेष राशि के जातकों के लिए कल सोमवार 21 सितंबर 2026 का दिन अनुकूल रहने वाला है। आप उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे और महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता मिलने के योग हैं। लंबे समय से चली आ रही आर्थिक समस्याओं का समाधान मिल सकता है। कामकाज में आपकी मेहनत रंग लाएगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। किसी जरूरी योजना को आगे बढ़ाने के लिए दिन अच्छा है।

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों के लिए कल 21 सितंबर 2026 का दिन कई मामलों में सकारात्मक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा और विरोधियों पर आपकी स्थिति मजबूत होगी। आपने जिन कामों को पूरा करने का संकल्प लिया है, उनमें सफलता मिल सकती है। भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। उद्योग-धंधे और कारोबार से जुड़े लोगों को अच्छे परिणाम मिलने की संभावना है। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं।

मिथुन राशि - मिथुन राशि के जातकों के लिए सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। समाज और कार्यक्षेत्र में आपकी छवि मजबूत होगी। लंबे समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा और धन से जुड़ी परेशानियां कम होंगी। निर्माण कार्य या प्रॉपर्टी से जुड़े कामों में प्रगति मिल सकती है। मेहनत जारी रखें।

कर्क राशि - कर्क राशि के जातकों को 21 सितंबर 2026 को नौकरी, व्यापार और सरकारी कार्यों में उम्मीद से बेहतर सफलता मिल सकती है। किसी महत्वपूर्ण काम में सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है। महिला मित्र या परिचित के माध्यम से आपको कोई लाभ मिल सकता है। दिन के दौरान कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में अपने संपर्कों का सही इस्तेमाल करना फायदेमंद रहेगा।

सिंह राशि - सिंह राशि के जातकों को सोमवार को थोड़ा सावधान रहना होगा। बनता हुआ काम अचानक बिगड़ सकता है और आप बिना वजह किसी परेशानी में फंस सकते हैं। किसी मित्र पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करना नुकसानदायक साबित हो सकता है। महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय जल्दबाजी न करें। अपने काम से जुड़ी जानकारी हर किसी के साथ साझा करने से बचें और विवादों से दूरी बनाए रखें।

कन्या राशि - सोमवार को कन्या राशि वालों के व्यक्तित्व में निखार आएगा और आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। विपरीत परिस्थितियां धीरे-धीरे आपके पक्ष में होती नजर आएंगी। धन प्राप्ति के नए अवसर मिल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में मिलने वाले मौकों को पहचानकर उनका पूरा फायदा उठाएं। आपकी मेहनत और समझदारी से आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। किसी महत्वपूर्ण योजना को आगे बढ़ाने के लिए दिन अनुकूल है।

तुला राशि- तुला राशि के जातकों को कल सोमवार 21 सितंबर 2026 को बेवजह के वाद-विवाद से दूर रहने की सलाह दी जाती है। दूसरों के झगड़े में दखल देने से आपकी परेशानी बढ़ सकती है। कार्यक्षेत्र में सफलता पाने के लिए अधिक मेहनत और संघर्ष करना पड़ेगा। फिलहाल समय की गति सामान्य रहेगी, इसलिए धैर्य बनाए रखें। अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना आपके लिए सबसे बेहतर रहेगा।

वृश्चिक राशि - वृश्चिक राशि के जातकों का आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। अपने प्रयास, उत्साह और संघर्ष के बल पर आप कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे कर सकते हैं। कारोबार से जुड़े लोगों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है। कोई नई व्यापारिक योजना सफल हो सकती है और भविष्य में लाभ का रास्ता खुल सकता है। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर लिए गए फैसले आपको फायदा पहुंचाएंगे।

धनु राशि- धनु राशि वालों को शिक्षा और अध्ययन से जुड़ा कोई शुभ समाचार मिल सकता है। विद्यार्थियों के लिए दिन उत्साह बढ़ाने वाला रहेगा। घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है, जिससे माहौल खुशनुमा बनेगा। पिछले कुछ समय से चली आ रही निराशा दूर होगी। आपकी कोई मनोकामना या मनचाहा काम पूरा होने की संभावना है। परिवार का सहयोग भी मिलता रहेगा।

मकर राशि - मकर राशि के जातकों की कल 21 सितंबर 2026 को मुलाकात किसी पुराने परिचित से हो सकती है, जिससे आपको खुशी मिलेगी। किसी महत्वपूर्ण विषय से जुड़ा शुभ समाचार भी प्राप्त होगा। खास बात यह है कि थोड़े प्रयास में ही आपका जरूरी काम पूरा हो सकता है। यात्रा या वाहन से जुड़ा सुख मिलने के योग हैं। दिन आपके लिए राहत और संतोष लेकर आ सकता है।

कुंभ राशि- कुंभ राशि के जातकों को कल सोमवार 21 सितंबर 2026 को आर्थिक मामलों में सावधानी बरतनी चाहिए। इस समय किसी को उधार देने से बचें, क्योंकि पैसा वापस मिलने में परेशानी हो सकती है। दिन में शुभ परिणाम मिलेंगे, लेकिन High-tech परेशानियां भी सामने आ सकती हैं। इसलिए बिना सोचे कोई आर्थिक फैसला न लें। अपनी योजनाओं को लेकर सतर्क रहना आपके लिए फायदेमंद रहेगा।

मीन राशि- मीन राशि के जातकों को सोमवार को मीन राशि के जातकों को सरकारी क्षेत्र से जुड़े कामों में सफलता मिलने की संभावना है। व्यापार और व्यवसाय करने वालों के लिए भी दिन अच्छा रहेगा। कामकाज में प्रगति और लाभ के अवसर मिल सकते हैं। हालांकि घरेलू जरूरतों पर खर्च बढ़ सकता है, इसलिए बजट का ध्यान रखें। आवश्यक खर्चों को प्राथमिकता देने से आर्थिक संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी।

स्किन टोन के हिसाब से चुनें नेल पॉलिश का सही शेड

नेल पॉलिश सिर्फ हाथों की खूबसूरती बढ़ाने का काम नहीं करती, बल्कि सही शेड आपके पूरे लुक को और भी निखार सकता है, लेकिन कई बार ऐसा होता है कि कोई रंग किसी के हाथों पर बहुत खूबसूरत लगता है, जबकि वही शेड दूसरे व्यक्ति पर उतना अच्छा नहीं दिखता। इसकी वजह है स्किन टोन। इसलिए नेल पेंट खरीदते समय अपनी स्किन टोन का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं अलग-अलग स्किन टोन पर कौन से नेल पॉलिश शेड सबसे ज्यादा खूबसूरत लग सकते हैं।

फेयर स्किन टोन के लिए नेल पॉलिश शेड
अगर आपकी स्किन टोन काफी हल्की है, तो आप कई तरह के शेड्स आसानी से ट्राई कर सकती हैं। सॉफ्ट पिंक, बेबी पिंक, पीच और हल्का लैवेंडर आपके हाथों को फ्रेश और एलिगेंट लुक दे सकते हैं। इसके अलावा क्लासिक रेड और बरगंडी जैसे गहरे रंग भी फेयर स्किन पर काफी अच्छे लगते हैं। अगर आपको सिंपल और सोबर लुक पसंद है तो न्यूड पिंक या मिल्की व्हाइट भी बढ़िया ऑप्शन है।

मीडियम या गेहुंआ स्किन टोन के लिए
भारतीय महिलाओं में मीडियम या गेहूंआ स्किन टोन काफी आम है। इस स्किन टोन पर रोज पिंक, माउव, कोरल, टेराकोटा और वार्म न्यूड जैसे शेड्स खूबसूरत लगते हैं। रोजमर्रा के लिए म्यूटेड पिंक या ब्राउन न्यूड चुन सकती हैं। वहीं किसी पार्टी या फंक्शन में जाना हो तो डीप रेड, वाइन या प्लम शेड आपके हाथों को अट्रैक्टिव लुक देता है।

डस्की स्किन टोन पर जंचेंगे ये रंग
डस्की स्किन टोन पर थोड़े बोल्ड और रिच शेड्स काफी अच्छे लगते हैं। डीप रेड, बरगंडी, चॉकलेट ब्राउन, प्लम और बेरी जैसे रंग हाथों की खूबसूरती को और उभार सकते हैं। इसके अलावा मस्टर्ड, डीप ऑरेंज और ब्रिक रेड जैसे वार्म शेड्स भी ट्राई किए जा सकते हैं। अगर आपको मिनिमल लुक पसंद है तो कैरेमल या वार्म ब्राउन न्यूड शेड अच्छा ऑप्शन रहेगा।

डीप स्किन टोन के लिए परफेक्ट शेड्स
डीप स्किन टोन पर ब्राइट और ज्वेल-टोन्ड नेल पॉलिश काफी खूबसूरत लगती है। एमराल्ड ग्रीन, रॉयल ब्लू, डीप पर्पल, बरगंडी और रेड जैसे शेड्स हाथों को ग्लैमरस लुक दे सकते हैं। गोल्ड और ब्रॉन्ज मेटैलिक शेड्स भी पार्टी या फेस्टिव लुक के लिए बेहतरीन रहेंगे।

न्यूड नेल पेंट चुनते समय रखें ध्यान
न्यूड नेल पॉलिश हर स्किन टोन पर एक जैसी नहीं दिखती। इसलिए अपनी स्किन के अंडरटोन के हिसाब से न्यूड चुनना बेहतर रहता है। वार्म अंडरटोन वाली स्किन पर पीच, कैरेमल और वार्म बेज अच्छे लग सकते हैं, जबकि कूल अंडरटोन पर पिंकिश या माउव न्यूड ज्यादा खूबसूरत लगते हैं।

पहली सैलरी से ही शुरू करें बचत

सैलरी आते ही लगता है कि इस महीने खूब बचत करेंगे, लेकिन कुछ ही दिनों में किराया, राशन, बिल, शॉपिंग और बाहर खाने जैसे खर्चों के बाद अकाउंट का बैलेंस कम होने लगता है। अगर आपके साथ भी हर महीने ऐसा होता है, तो अपनी कमाई और खर्च का हिसाब रखना शुरू कर दें। बजट बनाने के लिए किसी मुश्किल फॉर्मूले की जरूरत नहीं है। कुछ आसान आदतों की मदद से आप हर महीने पैसे बचा सकती हैं।

सैलरी मिलते ही पहले बचत करें
अक्सर लोग पूरे महीने खर्च करने के बाद बचे हुए पैसों को सेव करने के बारे में सोचते हैं। यही वजह है कि महीने के अंत तक कुछ बचता ही नहीं। इसलिए सैलरी आते ही सबसे पहले एक तय रकम अलग कर दें। इस पैसे को अलग सेविंग्स अकाउंट में रख सकती है या अपनी जरूरत के हिसाब से निवेश कर सकती हैं। चाहें तो बैंक का ऑटो-ट्रांसफर विकल्प भी इस्तेमाल करें, जिससे हर महीने तय रकम अपने आप अलग हो जाए।

50-30-20 नियम से बनाएं बजट
बजट बनाने की शुरुआत करने वालों के लिए 50-30-20 का नियम आसान तरीका हो सकता है। इसमें अपनी इन-हैंड सैलरी को तीन हिस्सों में बांटना होता है। 50 फीसदी रकम घर का किराया, राशन, बिजली-पानी का बिल, दवाइयां और दूसरी जरूरी चीजों के लिए रखें। 30 फीसदी पैसे अपनी पसंद और जरूरतों पर खर्च कर सकती हैं। इसमें घूमना, बाहर खाना, शॉपिंग या मनोरंजन जैसी चीजें शामिल हैं। 20 फीसदी रकम सेविंग्स और निवेश के लिए अलग रखने की कोशिश करें। अपनी आर्थिक स्थिति के हिसाब से इस अनुपात में बदलाव भी किया जा सकता है।

क्रेडिट कार्ड का सोच-समझकर करें इस्तेमाल
क्रेडिट कार्ड सुविधा जरूर देता है, लेकिन बिना हिसाब के इस्तेमाल करने पर खर्च बढ़ सकता है। इसलिए सिर्फ वही रकम खर्च करें, जिसे समय पर चुका सकें। गैर-जरूरी चीजों के लिए बार-बार ईएमआई या क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने से बचें। अगर आप शुरुआत से ही कमाई, खर्च और बचत का हिसाब रखने की आदत डाल लें, तो महीने के आखिर में पैसों की कमी से काफी हद तक बच सकती है। छोटी-छोटी बचत आगे चलकर बड़ा सहारा बन सकती है।

बेडशीट से कैसे हटाएं बदबू

बरसात के मौसम में बेडशीट से पसीने या सीलन की गंध आना आम बात है। रातभर सोने के दौरान पसीना, शरीर का तेल और धूल चादर में जमा होते रहते हैं। कई बार चादर को धोने के बाद भी उसमें हल्की बदबू रह जाती है। घर में रखा सफेद सिरका काम आ सकता है।

चादर से बदबू क्यों नहीं जाती?
चादर में सिर्फ पसीना ही नहीं, बल्कि शरीर का तेल, धूल और डिटर्जेंट के बचे हुए अंश भी जमा होते हैं। समय के साथ ये चीजें कपड़े के रेशों में फंस जाती हैं। यही वजह है कि चादर धोने के बाद भी उसमें गंध महसूस हो सकती है। इसके अलावा अगर चादर धोने के बाद ठीक से सूखी नहीं है या उसे गीला ही कुछ देर रखा गया है, तो सीलन की बदबू भी आने लगती है।

सफेद सिरका कैसे करता है काम?
साधारण सफेद सिरका कपड़े में जमा कुछ अवशेषों को ढीला करने और गंध कम करने में मदद कर सकता है। इससे चादर ज्यादा साफ और फ्रेश महसूस हो सकती है। इसके लिए हमेशा डिस्टिल्ड व्हाइट विनेगर का इस्तेमाल करें। रंगीन या फ्लेवर वाले सिरके का इस्तेमाल कपड़ों पर नहीं करना चाहिए।

चादर धोते समय ऐसे डालें सिरका
सबसे पहले चादर को वॉशिंग मशीन में सामान्य तरीके से डालें। मशीन को जरूरत से ज्यादा न भरें, ताकि पानी और डिटर्जेंट चादर तक अच्छी तरह पहुंच सके। अब मशीन के फैब्रिक सॉफ्टनर वाले हिस्से में करीब से कप सफेद सिरका डाल सकते हैं। इससे सिरका आखिरी रिंस के दौरान चादर तक पहुंचेगा। अगर आपकी मशीन में अलग सॉफ्टनर डिस्पेंसर नहीं है, तो मशीन के निर्देशों के मुताबिक रिंस के समय इसे डालें। ध्यान रखें कि सिरका डिटर्जेंट की जगह नहीं लेता। चादर धोने के लिए अपने फैब्रिक के हिसाब से सामान्य डिटर्जेंट का ही इस्तेमाल करें। हर बार सिरका डालने की जरूरत नहीं चादर की हर वॉश में सिरका डालना जरूरी नहीं है। अगर चादर में बार-बार पसीने या सीलन की गंध आती है, तो कभी-कभार इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। जरूरत से ज्यादा सिरका डालने से बचें। सबसे जरूरी बात यह है कि चादर धोने के बाद उसे अच्छी तरह सुखाएं। धूप या अच्छी हवा वाली जगह पर पूरी तरह सूखने के बाद ही चादर को अलमारी में रखें।

भिलाई में 'आज की जनधारा' के 36वें वर्षगांठ पर भव्य समारोह

चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए एसआर हॉस्पिटल के चेयरमेन डॉ. संजय तिवारी सहित समाज के कर्मवीर सम्मानित

भिलाई (लोकतंत्र प्रहरी)। समाचार पत्र समूह आज की जनधारा द्वारा सोमवार को उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मवीरों का सम्मान किया गया। भिलाई के महात्मा गांधी कला मंदिर में आयोजित उक्त कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य पर्यावरण सहित अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विशिष्ट जनों एवं समूह का सम्मान स्मृति चिन्ह शाल व प्रशस्ति पत्र देकर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, वैशाली नगर विधायक राकेश सेन, दुर्ग निगम की महापौर अलका वाघमार आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम दैनिक आज की जनधरा के प्रधान संपादक सुभाष मिश्र के मार्गदर्शन में दुर्ग संभाग प्रमुख रमेश गुप्ता सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया।

इससे पहले कार्यक्रम का माता सरस्वती के तैल चित्र के समक्ष शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि एक पाठक के रूप में यहां पर हमारे अखबार के साथ जुड़े हैं या हमसे जो इसमें रखते हैं ऐसे सभी लोगों का मैं जनधारा परिवार की ओर से स्वागत करता हूं। सुभाष मिश्र ने कहा कि आज कर्मवीर सम्मान समारोह है और इसी मंच से हमने पहले भी कर्मवीरों का सम्मान किया था। दरअसल सम्मान समारोह आजकल बहुत होते हैं, सवाल सम्मान का नहीं होता है सवाल यह होता है कि किसका सम्मान हो रहा और कैसे सम्मान हो रहा है। श्री मिश्र ने कहा लगातार जनधारा ने यह कोशिश की है पूरे प्रदेश में कर्मवीरों का सम्मान हो।

सुभाष मिश्र ने कहा अभी हम पूरा सरगुजा संभाग में हम लोग जिले में कार्यक्रम करके आए। अभी बस्तर के सुकमा बीजापुर नारायणपुर में हमने कर्मवीरों का सम्मान किया। हमने जिन लोगों को सम्मानित किया हमें लगा हम उनका सम्मान कर रहे हैं लेकिन ऐसा नहीं है। दरअसल कर्मवीरों का सम्मान कर हमने अपने आप को सम्मानित किया है। आज बहुत सारे लोग सकारात्मक कम कर रहे हैं। बहुत अच्छा पढ़ा रहा है अभी आपने देखा कि टीचर ने किस तरह से भगवान शंकर के भजन को नृत्य के रूप में अपने छात्रों से कराया। सुभाष मिश्र ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय बघेल के साथ छत्तीसगढ़ी फिल्म माटी के लाल के साथ काम करने का अनुभव भी साझा किया।

सुभाष मिश्र ने कहा कि कर्मवीर सम्मान समरोह के आयोजन के लिए दुर्ग संभाग प्रमुख रमेश गुप्ता को बधाई देता हूं। इनकी टीम में बहुत सारे लोग हैं जो इनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहे हैं। डॉ कमल किशोर शर्मा, विष्णु पाठक, संजय नायक, शंकर साहनी, श्याम साहू, अनुराग शर्मा, अखिलेश, अमित पांडे, जाकिर हुसैन, रामचंद्र देशमुख, संतोष तिवारी, राजकुमार, राजू पुरानचंद, संतोष जायसवाल ऐसे बहुत सारे नाम है जो इस कार्यक्रम में कहीं ना कहीं रमेश और उनकी टीम के साथ हैं। दूसरी बात यह की जो जनधरा का परिवार है जिनमें कवर्धा से अविनाश ठाकुर, जितेंद्र शुक्ला बेमेतरा, अमित गौतम राजनांदगांव, नरेंद्र वर्मा आदि हैं। सुभाष मिश्र ने अंत में अतिथियों का पुन: हृदय से आभार व्यक्त किया।

पत्रकारिता के साथ-साथ रचनात्मक कार्य

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि विजय बघेल ने कहा कि दैनिक आज की जनधारा ने लगभग 36 साल का एक लंबा सफर तय करते हुए आज अनेक जिम्मेदारियों का निर्वाहन कर रहे हैं। पत्रकारिता के साथ-साथ रचनात्मक कार्यों में इनकी भागीदारी रही है। ऐसा सम्मान समारोह जहां कर्मवीरों का सम्मान के अलावा अनेक ऐसे जिम्मेदारियां जो सामाजिक हैं। पत्रकारों के संरक्षण के दृष्टिकोण से भी जो आज की जनधारा ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। हम सब सबसे पहले इस कार्यक्रम के संयोजक के रूप में दैनिक आज की जलधारा को बहुत-बहुत बधाई देते हैं। यहां हम सब उनका सम्मान कर रहे हैं जिन्होंने अपने कर्म से वीरता हासिल की है उपलब्धि हासिल की है और इस लायक बने। इन लोगों ने कर्म इसलिए नहीं किया कि उन्हें कुछ सम्मान मिले। उन्होंने अपना काम निष्वार्थ रूप से किया और इसके लिए उनका सम्मान किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान सांसद विजय बघेल ने नृत्यकला की सराहना करते हुए कहा कि हमारी बहन राखी राय ने अपने कला केन्द्र के कलाकारों से शानदार प्रस्तुति का प्रदर्शन कराया। यह भिलाई की गौरवशाली परंपरा का हिस्सा है।

माटी के लाल का संस्मरण सुनाया

सांसद बघेल ने आज की जनधारा के प्रधान संपादक सुभाष मिश्र के साथ काम किए गए फिल्म माटी के लाल का संस्मरण भी सुनाया। उन्होंने बताया पिछले दिनों चक्रधर समारोह में रायगढ़ गया तो वहां के एसएसपी शशिमोहन सिंह से मुलाकात हुई जो इस फिल्म का हिस्सा रहे। विजय बघेल ने कहा कि हर व्यक्ति अपने तरीके से जन सेवा कर रहा है। समाज सेवा किसी नेता की जिम्मेदारी नहीं है किसी सरकार की जिम्मेदारी नहीं है समाज के ऐसे लोग जो बहुत सारे माध्यम से व्यक्तिगत रूप से सामूहिक रूप से जन सेवा करते हैं, समाज सेवा करते हैं, देश सेवा करते हैं वह भी पूजनीय है। उन्होंने कहा एक ऐसा समाचार पत्र 36 साल तक अपनी जिम्मेदारी निभाई। अनेक लोगों के हाथ में जिम्मेदारी गई मगर आज की जनधारा का स्वरूप यथावत चला।

श्रमवीरों की नगरी में कर्मवीरों का सम्मान : प्रेम प्रकाश पाण्डेय

कार्यक्रम में मौजूद पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने कहा कि श्रमवीरों की नगरी में कर्मवीरों का धर्मवीरों द्वारा सम्मान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अनेक विकृर्तियों के बावजूद इस व्यवसाय से जुड़े हुए लोगों की अपनी एक मर्यादा होती है और वे उसका पालन करते हैं। इसलिए उनके काम से भी जोड़कर देखा गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार के विजुअल मीडिया आ गए हैं, लेकिन समाचार की सार्थकता आज भी प्रिंट मीडिया से होगी है। कोई खबर पढ़ दे तो कुछ नहीं लेकिन सुबह अखबार में छपी खबर पर ही भरोसा होता है। आज की जनधारा द्वारा एक सुंदर आयोजन करने का प्रयास हुआ है और सम्मान देने का प्रयास सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सम्मान क्या है इसे समझना होगा। यह जो स्टेज है यह मुश्किल से 3 फीट ऊंचा है विभिन्न क्षेत्रों में जिन्होंने अपना उत्कृष्ट कार्य किया है वही यहां चढ़ सकते हैं बाकी सब सामने बैठकर तालियां बजाएंगे इसलिए इस तीन फीट ऊंचे वाले मंच का भाव बहुत बड़ा होता है और उसी भाव से कार्यक्रम किया गया है।

सम्मान से बढ़ता है हौसला : ललित चंद्राकर

कार्यक्रम में उपस्थित दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मवीरों के सम्मान से हौसला बढ़ता है। हमारे आसपास जो घटनाएं घटती है उसको सामने लाने का माध्यक प्रेस है। प्रेस के माध्यम से हमें पता चलता है कि हमारे आसपास क्या हो रहा है। प्रिंट और इलेक्ट्रानिक मीडिया के साथ आजकर सोशल मीडिया भी आ गया है जहां तेजी से लोगों तक समाचार पहुंच रहा है। आज जरूरत है एक सशक्त पत्रकारिता की जो हमें सही जानकारी दे सके। अपने-अपने क्षेत्र में जो उत्कृष्ट कार्य किए हैं उनका आज की जनधारा के माध्यम से सम्मान हो रहा है। निश्चित तौर पर जब समाज में जब कोई अच्छा काम करता है कोई उत्कृष्ट कार्य करते हैं और ऐसे लोगों को जब हम सम्मान करते हैं और निश्चित तौर पर उसमें हौसला भी बढ़ता है पर आने वाले लोगों में भी कुछ करने को जज्बा पैदा होता है।

भिलाई अब धर्मनगरी भी बन गई : रिकेश सेन

कार्यक्रम के दौरान वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि भिलाई शिक्षदानी है खेल-धानी है और कला धनी है और अब धर्म नगरी भी बन चुका है। वैसे तो भलाई को श्रम वीर कहा जाता है क्योंकि भिलाई में एशिया का सबसे बड़ा स्टील प्लांट है जहां पर हमारे श्रमिक पसीना बहाते हैं और रेल की पटरी बनाते हैं जिसमें पूरा भारत दौड़ता है।

लेकिन आज जिस प्रकार से भाई रमेश गुप्ता व उनकी पूरी टीम ने कर्मवीरों के सम्मान का आयोजन रखा है इसे देख मन गर्वित होता है। विधायक रिकेश ने कहा कि आप सभी कर्मियों का मैं स्वागत और सम्मान करता हूं और निश्चित रूप से आप सभी से लोग प्रेरणा लेंगे क्योंकि कहते हैं कि कर्म ही एक ऐसा रास्ता है जिसमें आप अपने भविष्य को तय कर सकते हैं। कर्म ही एक ऐसा रास्ता है जिसमें आपका भविष्य उज्जवल हो सकता है कल ही एक ऐसा रास्ता है जिसमें दिशा तय किया जा सकता है इसलिए आप सभी कर्मियों को मैं नमन करता हूं।

इनका हुआ सम्मान

कार्यक्रम के दौरान चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए एसआर हॉस्पिटल के चेयरमेन संजय तिवारी, पत्रकारिता के क्षेत्र में टी सूर्याराव, समाज सेवी विष्णु पाठक, समाजिक कार्यों के लिए टीम जया रेड्डी सहित विभिन्न समूहों का सम्मान किया गया। तिरुमाला तेलुगु महिला समाज की अध्यक्ष टी जया रेड्डी सहित ग्रुप के सदस्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में नृत्यांगना राखी राय व उनकी टीम को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उड़ान समूह की अंजू साहू के समूह को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने महिला सशक्ति करण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में पर्यावरण सरंक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वालों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान आज की जनधारा समूह भिलाई सहित बेमेतरा, राजनांदगांव, कवर्धा आदि जिलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com